C·SCM)09

Sl. No. 87

D–DTN–J–NUA

MAITHILI

Paper—I

(Literature)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any THREE of the remaining questions, selecting at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in Maithili.

Section—A

1. निम्नलिखित कोनो **तीन** पर टिप्पणी लिखू : 20×3=60

(क) भाषाक आकृतिमूलक वर्गीकरण

(ख) संस्कृत ओ मैथिलीक सम्बन्ध

(ग) मैथिलीक विविध बोली

(घ) मैथिली ओ भोजपुरी

2. मध्यकालीन मैथिली भाषाक स्वरूप विवेचन करू। 60

3. मैथिली क्रियापदक विशेषता विवेचन करू। 60

4. भारोपीय भाषा परिवारमे मैथिलीक स्थान निरूपित करू। 60

Section—B

5. निम्नलिखित कोनो **तीन** पर टिप्पणी लिखू : 20×3=60

(क) मैथिली साहित्यमे कृष्णकाव्य

(ख) नेपालक मैथिली नाटक

(ग) मैथिलीक लोक-साहित्य

(घ) कवीश्वर चन्दा झाक रामायण

6. विद्यापतिक बहुमुखी प्रतिभाक विवेचन करू। 60

7. मैथिली पत्रकारिताक विकास सँ परिचय कराउ। 60

8. आदिकालीन मैथिली साहित्यक अध्ययनक सामग्री पर प्रकाश दिअ। 60

★ ★ ★

C·S(M) 09

Sl. No. 198

D–DTN–J–NUB

MAITHILI

Paper—II

(Literature)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any THREE of the remaining questions, selecting at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in Maithili.

Section—A

1. निम्नलिखितमे सँ कोनो **तीन** अवतरणक सप्रसंग व्याख्या प्रस्तुत करैत ओहिमे सन्निहित भाव आ ओकर काव्यगत वैशिष्ट्यकेँ स्पष्ट करू (उत्तर अधिकतम *200* शब्दमे दातव्य) : 20×3=60

(क)

पुतना तरुअर काली नाग,
एत दिन से बड़ अजगुत लाग।
एहि बेरि संसए लाग बिसेखी,
कृष्णक जन्म अमानुष लेखी।
के ई थिकाह ककर अवतार,
संसय बस भेल सकल गोआर।
संसय अन्त कोनहु नहि पाओल,
तखन कृष्ण पुन मोहनि लगाओल।

(ख) फूल जे गमकैत वन-वनमे लुटाबै अछि सुरभि-घट
खिलखिला कऽ जे हँसै अछि भव-भुवन-भरिमे हृदय सँ।
भ्रमर जे गुंजन करै अछि, गीत गाबै अछि विहंगम
मग्न-तन नर्त्तन कलापी जे करै अछि चिर-प्रणय सँ॥

(ग) कुल-वैभव रुचि रूप वयस शुचि चरित आचरित तूल।
दुहु कुमार सुकुमार बुझाइछ एक तरुक दुइ फूल॥
मधु माधव जनु, नभ नभस्य जनु, तप-तपस्य जनु युग्म।
एक ऋतुक दुइ मास प्रकृति गुण समगम किछु मृदु-तिग्म॥

(घ) कहलनि नीतिशास्त्र-अनुसार। चारक वध नहि अछि व्यवहार॥
दूत बेचारा मारल जयत। रामचन्द्र सौं युद्ध न हयत॥
अङ्कित हयता कहता जाय। राखक नहि थिक दूत बझाय॥
नीति विभीषण कहलहुँ नीक। मानल बचन सदर्थ अहींक॥

2. "लालदासक 'रमेश्वर-चरित मिथिला रामायण' मैथिली राम-काव्य परम्पराक विकासमे बहुविध कारणेँ अत्यन्त महत्त्वपूर्ण अछि।" 'बालकाण्ड'क आधार पर लालदासक काव्य-सौष्ठवक विवेचन करैत एहि कथनक समीक्षा करू। 60

3. "गोविन्ददासक काव्य शृंगारपरक होइतहुँ समष्टिरूपेँ भक्तिभावक अभिव्यक्ति थिक।" 'गोविन्ददास भजनावली'क पठित अंशक आधार पर एहि उक्तिक समीक्षा करैत अपन स्वतन्त्र विचार प्रगट करू। 60

4. "'चित्रा'मे शब्दचित्रक द्वारा परिस्थिति, व्यक्ति ओ मिथिलाक नारीक समस्याक चित्रण तथा व्यंजना भेल अछि।" 'चित्रा'क नामकरणक सार्थकता प्रमाणित करैत एहि उक्तिक समीक्षा करू। 60

Section—B

5. निम्नलिखितमे सँ कोनो **तीन** गद्यांशक सन्दर्भ सहित व्याख्या करैत ओहिमे सन्निहित विचार आ काव्यगत विशेषतार्कें स्पष्ट करू (उत्तर अधिकतम *200* शब्दमे दातव्य) : 20×3=60

(क) मउगीक जिनगी महाग विचित्र होइत छैक। ओकरा नीको मोन पड़ै छै आ अधलाहो मोन पाड़ैत नीक लगै छैक। ओइ दिन मोन होअय जे भने ओकर गट्टा तौं तोड़ि दितही। मगर फेर जखन पंचमे ओकरा जबाव भेटलै त' कहाँदन ओ बड़ हिचकि-हिचकि क' कनै। आब सोचै छियै जे ओ जेहन छैक ताहिमे ओकर कोनो दोख ने। हमहूँ जेहन छी तइमे हमरो कोनो दोख ने।

(ख) कोनो प्रियतमा अपना प्रेमीक लेल नहि कनइए। कनइए केवल कन्या। कनइए केवल कन्या अपन मायक स्तन सँ झरैत दूधक निर्झरक लेल, मायक हृदय सँ झरैत स्नेह-वात्सल्यक निर्झरक लेल। आ माय? आ मदालसा? मदालसा एहिना बेटीकें ओछान पर सूतलि छोड़ि अन्हार रातिमे, साओन-भादोक बरखामे अभिसारिका बन' चलि जाइत अछि।

(ग) सुगियाक आँखि नोरा गेल छलैक। एक भिनसर सँ फिरीसान भ' क' बिछने छलि, आ से एक मिनटक ककरो चंठपनीमे नाश भ' गेलैक। ओ हतप्रभ भेलि ठाढ़ि छलि, ओकर मुँह दयनीयता सँ भरल छलैक। ओकर करुण मुँह देखि सभक मन दुःखी छलैक। दुःखक ओहि धरातलकें फोड़ि कऽ बहार भेलैक तामस, आक्रोश आ गारि जे स्वाभाविक छलैक, जे निर्बलक प्रतिकारक साधन छलैक।

(घ) ओ दुनू धारमे स्नान कए घूरि रहल छलीह। लगइ जेना धरती पर दूटा चान उतरि आएल हो। बड़की जेना भिनसरबाक चान हो आ छोटकी सँझुका। लगइ जेना दूटा कमल छवि छिरिया रहल हो। बड़की जेना फूलडालीमे राखल उदास सरोरुह आ छोटकी जेना सरोवरमे डोलैत अर्द्धविकसित सरसिज।

6. 'कथा-संग्रह'क आधार पर एहि तथ्यकें विवेचित-विश्लेषित करू जे—''आधुनिक मैथिली कथा समकालीन सामाजिक, आर्थिक विसंगति पर विभिन्न तरहें चोट करैत अछि''। 60

7. '''लोरिक विजय' उपन्यासमे मिथिलाक माटि-पानि आ संस्कारक सम्पूर्ण सौन्दर्य ओ सौरभ उद्भासित भऽ उठल अछि।'' एहि उक्तिक समीक्षा करैत 'लोरिक विजय'क औपन्यासिक वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ। 60

8. ''कुचक्रमे फँसल देह आ मोनक यथावत् उपस्थापन राजकमलक कथाक निजता अछि।''—'कृति राजकमलक'क आधार पर एहि कथनक सम्यक् मूल्यांकन करैत मैथिलीक कथाकारक रूपमे राजकमल चौधरीक योगदानक विश्लेषण करू। 60

★ ★ ★

CS (MAIN) EXAM, 2010

Sl. No. 27

D–DTN–K–NJA

MAITHILI

Paper—I

(Literature)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any THREE of the remaining questions, selecting at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in Maithili.

Section—A

1. निम्नलिखित कोनो **तीन** पर टिप्पणी लिखू : 20×3=60

(क) भाषाक वर्गीकरणक आधार

(ख) प्राकृत ओ मैथिलीक सम्बन्ध

(ग) मैथिलीक विभिन्न बोलीक परिचय

(घ) मैथिली भाषाक क्षेत्रानुसार विभाजन

2. मैथिली भाषाक विकास-क्रम सँ परिचय कराउ। 60

3. मैथिली एवं उड़िया भाषाक सम्बन्धक विवेचना करू। 60

4. तिरहुता लिपिक उद्‌भव ओ विकासक रूपरेखा प्रस्तुत करू। 60

Section—B

5. निम्नलिखित कोनो **तीन** पर टिप्पणी लिखू : 20×3=60

(क) कीर्त्तनियाक विशेषता

(ख) मैथिली साहित्यमे रामकाव्यक परम्परा

(ग) मैथिली लोकगीत

(घ) ज्योतिरीश्वरक वर्णरत्नाकर

6. विद्यापतिक परम्परा सँ की तात्पर्य? विवेचन करू। 60

7. मैथिली कथा-साहित्यक विकास सँ परिचय कराउ। 60

8. मैथिली साहित्यक काल-विभाजनक प्रसंग विभिन्न विद्वानक मतक समीक्षा करू। 60

★ ★ ★

CS (MAIN) EXAM, 2010

Sl. No. 198

D–DTN–K–NJB

MAITHILI

Paper—II

(Literature)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any THREE of the remaining questions, selecting at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in Maithili.

Section—A

1. निम्नलिखित कोनो तीन अवतरणक सप्रसंग व्याख्या प्रस्तुत करैत ओहिमे सन्निहित भाव आ ओकर काव्यगत वैशिष्ट्यकें स्पष्ट करू (उत्तर अधिकतम *200* शब्दमे दातव्य) : 20×3=60

(क) अगमने प्रेम गमने कुल जाएत
चिन्ता पंक लागलि करिणी
मजे अबला दह दिस भमि झाखजो
जनि व्याध डरे भीरु हरिणी॥
चन्दा दुरजन गमन विरोधक
उगल गगन भरि बैरि मोरा॥
कुहु भरमे पथ पद आरोपल
आए तुलाएल पंचदशी
हरि अभिसार मार उदबेजक
कओने निबारब कुगत ससी॥

(ख) सुइ लय बेधिअ गाँथिअ ताग।
हाथ छुबिअ तओं हाथहि लाग।।
गरजि सघन घन बरिसय बारी।
तैं फनिपति फना देलन्हि पसारी।।
लागल झड़ी भुलल सब दीग।
पशु पच्छी सब परल अदीग।।
सूर्य सुधाकर खोजलों ने पाबिअ।
कमल कुमुद निसि बासर जानिअ।।

(ग) आम्र सुकानन पनसोद्यान। सुभग सुशीतल छायावान।।
सुभग पवित्रित प्रचुर तड़ाग। निर्मल वारि अमृतसन लाग।।
धेनु बकेन वत्सयुत गाय। झुराड झुराड देखल रघुराय।।
अति अपूर्व शोभा विस्तार। धर्म-निरत सभ शुद्धाचार।।
वन-उपवन मुनि आश्रम सहित। मंजुल बंजुल दूषण-रहित।।

(घ) दशरथ रथ सँ पथ प्रशस्त जत परम पुरुष अवतार।
रामराज्य आदर्श उपस्थित विश्व-शासनक सार।।

मैथिलीक पति-भक्ति एतहि भरतक भ्रातृत्व अनूप।
सौमित्रिक चारित्र्य चित्र सँ जगमग कीर्त्ति-स्तूप।।

चरण पखारथि भक्ति-भाव सँ सरयू पावन नीर।
वन उपवन फल फूल चढ़ाबथि डोलबथि चमर समीर।।

ईति-भीति नहि एको व्यापित रोग-शोक नहि रंच।
प्रजा धर्मपथ चलथि स्वयं, ने कनिञो कपट प्रपंच।।

2. ''कवीश्वर चन्दा झा 'मिथिला भाषा रामायण'मे छन्दक विविधता ओ लोकोक्तिक विलक्षणताक संगहि वर्णनक चित्ताकर्षक छवि प्रस्तुत कयने छथि''—एहि कथन पर विचार करू। 60

3. ''रसना रोचन श्रवण-विलास
रचइ रुचिर पद गोविन्ददास।''

एहि पंक्तिक आलोकमे गोविन्ददासक काव्य-सौन्दर्यक निरूपण करू। 60

4. लोकमुखी शब्दावलीक प्रयोग द्वारा साहित्यक आत्मीयता एवं व्यापकताकें दृढ़ करबामे प्रगतिवादी यात्रीक 'चित्रा' सर्वाधिक लोकप्रिय भेल अछि—सयुक्ति विवेचन करू। 60

Section—B

5. निम्नलिखित कोनो **तीन** गद्यांशक सन्दर्भसहित व्याख्या करैत ओहिमे निहित अभिव्यंजनागत ओ कथ्यगत विशेषता पर प्रकाश दिअ (उत्तर अधिकतम *200* शब्दमे दातव्य) : 20×3=60

(क) कँपैत हाथ सँ अलमुनियमक पचकलहा बाटी उठा क' रेजकी गनलक। अद्धन्नी आ पाइ मिला क' सबा तीन आना। देबालमे सटलि, जाड़ेँ थर-थर करैत छौंड़ी दिस बिन तकनहि बुढ़िआ बाजलि—"पिरथी सँ दया-धरम उठि गेलइ... एगो पइसो दइमे मोह होइ हइ लोकके त' गरीब भिखमङ्गा कोना जीउतइ... छौंड़ी घुसकि क' नानीक देहमे सटि गेलि। तेहेन ने कटकटौआ बसात चलैत छलइए। तखन, बुढ़िआ कहुना ठेंगा ध' क' उठलि। मुदा तुरन्ते ने तेहेन सन-सन करैत पछबा उठलैक जे बुढ़िआ पाकल आम जकाँ धप्पसँ खसि पड़लि। विवस्त्र शरीरक गत्र-गत्र पछबा बेध' लगलैक।

(ख) भोजने सँ प्रकृति बनैत छैक। चाली माटि खा कऽ माटि भेल रहैत अछि। साँप बसात पीबि कऽ फनकैत अछि। साहेब सभ डबल रोटी खा कऽ फूलल रहैत अछि। मुर्गा खैनिहार मुर्गा जकाँ लड़ैत अछि। और हम सभ साग-भाँटा खा कऽ साग-भाँटा भेल छी। हमरालोकनि भक्त (भात)क प्रेमी थिकहुँ, तेँ एक दोसरा सँ विभक्त रहैत छी। ताहू पर की त द्विदल (दालि)क योग भेले ताकय! तखन एक दल भऽ कऽ कोना रहि सकैत छी?

(ग) जँ आइ सभ नवयुवकक लक्ष्य नोकरियेटा भऽ गेलैए तँ सभतरि निराशाक वातावरण बनि गेल छै। चाही ई जे नोकरीयोकेँ एक साधन बूझल जाय। जेना ई संसार अनन्त अछि तहिना साधनो असीमित छैक। मोनकेँ एके खुट्टासँ बन्हने रहब मनुक्खक मर्यादाकेँ आ ओकर सामर्थ्यकेँ अपमान करब थिक।

(घ) कुमुद' कुन्द' कदम्ब' कास' भास कैलास' कर्प्पूर पीयूषक कान्ति प्रसारी सन' क्षीरसमुद्रक दक्षिणानिले चालल तरङ्गक लहरी अइसन· अमृतक सरोवर तरङ्गक सहोदर सन· शरतक पूर्णिमाचान्दक ज्योत्स्ना अइसन· अभिनव प्रकाशित कमलकोष प्रसारि शोभा सन· कन्दर्प्पक दर्प्पप्रकाशन सन· त्रैलोक्यक नागरजन युवजन हृदयमोहन मन्त्रसन· स्वेद· स्तम्भ· रोमाञ्च· स्वरभङ्ग· कम्प· वैवर्ण्य· अश्रु· प्रलय इ ये आठओ सात्विक भाव ताक भण्डार सन·

6. "राजकमल मैथिली कथाक शब्द-शब्दमे नवीनता ओ प्रयोगधर्मिताक झलक देखबैत छथि, जेहने भाव-वस्तुमे, तेहने अभिव्यक्ति-शैलीमे।" एहि उक्तिक समीक्षा करू। 60

7. "हरिमोहन झा व्यंग्यकेँ विधाक मान्यता प्रदान करबैत दार्शनिक चिन्तनक संगहि लेखकीय पांडित्यक परिचय देबामे पूर्ण सफल भेल छथि"—'खट्टर ककाक तरंग'क आलोकमे एहि कथन पर विचार करू। 60

8. मैथिली भाषा-साहित्यक आदि गद्य-ग्रन्थ 'वर्णरत्नाकर' काव्य नहि काव्योपयोगी ग्रन्थ तँ अछि ये संगहि एहि सँ मध्यकालीन मिथिलाक सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितिक परिचय प्राप्त होइत अछि—युक्तियुक्त विवेचन करू। 60

★ ★ ★

C. S. (Main) Exam : 2011

Sl. No. D–DTN–L–NJA

MAITHILI

Paper—I

(Literature)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any THREE of the remaining questions, selecting at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in Maithili.

Section—A

1. टिप्पणी लिखू (शब्द-सीमा *200* सँ अधिक अपेक्षित नहि) : 20×3=60

(क) मैथिली क्रियाक भाव-भेद

(ख) मैथिली भाषाक विविध रूप

(ग) राजेश्वर झाक भाषावैज्ञानिक कृति

2. (क) पूर्वाञ्चलीय भाषाक संग मैथिलीक सम्बन्ध पर प्रकाश दिअ। 30

(ख) मध्यकालीन मैथिली भाषाक स्वरूप पर विचार करू। 30

3. (क) भाषाक पारिवारिक वर्गीकरणसँ परिचय कराउ। 30

(ख) मैथिली सर्वनामक प्रमुख विशेषताक विवेचन करू। 30

4. (क) मैथिली भाषाक विकासमे अवहट्ठक योगदानक मूल्यांकन करू। 20

(ख) मैथिली भाषाक इतिहासमे ग्रियर्सनक भूमिका निरूपित करू। 20

(ग) व्याकरणक दृष्टिसँ मैथिली भाषाक विशेषता देखाउ। 20

Section—B

5. टिप्पणी लिखू (शब्द-सीमा *200* सँ अधिक अपेक्षित नहि) : 20×3=60

(क) मैथिली साहित्यक सामाजिक पृष्ठभूमि

(ख) आधुनिक मैथिली कविताक प्रमुख प्रवृत्ति

(ग) हरिमोहन झाक 'खट्टर ककाक तरंग'

6. (क) मैथिलीक प्रमुख समालोचना साहित्यसँ परिचय कराउ। 20

(ख) मैथिली एकांकी नाटकक संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत करू। 20

(ग) मैथिली शैव साहित्यक विवेचन करू। 20

7. (क) विद्यापतिकालीन सामाजिक परिस्थिति पर प्रकाश दिअ। 20

(ख) मैथिली साहित्यक विकासमे अभिनन्दनग्रन्थक योगदान देखाउ। 20

(ग) आसामक 'अंकीया नाट'क महत्त्वक प्रतिपादन करू। 20

8. (क) मैथिली साहित्यक आदिकालीन सामग्री पर प्रकाश दिअ। 20

(ख) आधुनिक मैथिली कथा साहित्यमे सामाजिक चेतना पर विचार करू। 20

(ग) मैथिली साहित्यक विकासमे वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'क योगदानक मूल्यांकन करू। 20

★ ★ ★

C. S. (Main) Exam : 2011

Sl. No.

D–DTN–L–NJB

MAITHILI

Paper—II

(Literature)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any THREE of the remaining questions, selecting at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in Maithili.

Section—A

1. निम्नलिखित अवतरणक भावकें स्पष्ट करैत एकर काव्य-वैशिष्ट्यकें निर्दिष्ट कए सप्रसंग व्याख्या करू (उत्तर अधिकतम *150* शब्दमे दातव्य) : 15×4=60

(क) अभियान करक अछि आइ शक्ति-संचय हित
अभियान हमर सत्पथ पर दृढ़ निश्चय हित
दानवताकें निर्मूल करय भूतलसँ
अभियान हमर ई निज शक्तिक परिचय हित।

(ख) अनल अनिल बम मलयज बीख
जे छल सीतल से भेल तीख॥
चान्द सन्ताबए सविताहु जीनि
नहि जीवन एकमत भेल तीनि॥
किछु उपचार न मानए आन
एहि बेआधि अधिक पचवान॥

(ग) पाबि पराभव जे बैसथि कर जोड़ि
करइत अपन सहन शक्तिक व्यवहार
पौरुष तनिक सिरजि बहुविध सन्ताप
होइछ व्यर्थ यथा यौवन विधवाक।

(घ) बनिआ-लीडर-अफसर तीन त्रिमूर्ति,
क रहला अछि अपन मनोरथ पूर्ति।
अपना लए सभ अनका हेतु बडौर,
तइपर फाटन्हि रहि-रहि कतै बुकौर।

2. (क) 'सुन्दर-काण्ड'क आधार पर कवीश्वर चन्दा झाक काव्य-सौष्ठवक विवेचना करू। 30

(ख) "कवीश्वर चन्दा झा अपन रामायणक रचना अध्यात्म रामायणक आधार पर कएल, ओ से मूलसँ ततेक अधिक मिलैत अछि जे एकरा अधिकांशतः अध्यात्म रामायणक अनुवाद कही तँ दोष नहि"—एहि कथनक सत्यता प्रमाणित करू। 30

3. (क) सामाजिक कुचक्रमे पिसाइत नारीक मनोवैज्ञानिक अन्तर्द्वन्द्वकेँ चित्रित करएमे 'यात्री'जी अत्यन्त संवेदनशील छथि—'चित्रा'क आधार पर एहि उक्तिक समीक्षा करू। 30

(ख) तन्त्रनाथ झा-द्वारा रचित 'कीचक-वध' महाकाव्यक आधार पर हुनक काव्य-प्रतिभाक परिचय दिअ। 30

4. (क) 'कृष्ण-जन्म' महाकाव्य अछि—प्रमाणित करू। 30

(ख) भाव, भाषा ओ काव्य-सौष्ठव तीनू दृष्टिएँ गोविन्ददासक रचना नारिकेल फलसम्मतक रसास्वादन करबैछ—एहि उक्तिक समीक्षा करू। 30

Section—B

5. निम्नलिखित गद्यांशक अभिव्यंजनागत ओ कथ्यगत वैशिष्ट्यकें निर्दिष्ट करैत सन्दर्भ-सहित व्याख्या करू (उत्तर अधिकतम *200* शब्दमे दातव्य) : 20×3=60

(क) भाषाक विकासो तँ सरकारेक कर्त्तव्य छैक। जतेक सहयोगक आशा हमरालोकनि सरकारसँ करैत छी की तकर दसमांसो पूरा भेल? कतेको बहुमूल्य ग्रन्थ लिखल राखल अछि, तकरा दिवार खा रहल छै। एकर प्रकाशनक व्यवस्था होयबाक चाही कि नै? ताहि लेल सरकार की कऽ रहल अछि?

(ख) असलमे धरती जोतनिहारक थिक। हरबाह थिक जे धरतीक असल बेटा थिक। जे अपन पसेनासँ धरती-माताकें पूजै अछि। कएदिन देखलहक अछि मालिककें अपन पसेनासँ धरती-माताक पूजा करैत? देखहक सरकारी कानून त' जरूर सोचि विचारिक' बनै छैक ने। बटीदारक नामे खाता कि सिकभी-खाता खोलबाक कानून जरूर कोनो इनसाफसँ बनल हेतैक। हम सभ निपढ़ छी तइँ भने नै बुझियै, मगर ई सोचबाक चाही जे सब कानूनक पाछाँ कोनो निसाफ जरूर रहै छैक।

(ग) महादेव त्रिलोचन छलाह। हमरो लोकनिं त्रिलोचन छी। तेसर आँखिसँ केवल अनकर छिद्रटा सुझैत अछि। महादेव नीलकण्ठ रहथि। हमरो लोकनिक कण्ठमे केहन विष रहैत अछि से दूगोटाक विवाद भेला पर प्रत्यक्ष देखि लैह। महादेवक छाती पर साँप लोटाइत रहैन्हि। हमरो लोकनिकें स्वजातीयक अभ्युदय देखि छाती पर साँप लोटाय लगैत अछि।

6. (क) 'लोरिक विजय' उपन्यास लोक संघर्षक सप्राण दस्तावेज अछि—एहि कथनक सार्थकता सिद्ध करू। 30

(ख) 'खट्टर-ककाक तरंग'क माध्यमसँ लेखक सामाजिक कुप्रथा पर व्यंगात्मक रूपसँ प्रहार कएलन्हि अछि—स्पष्ट करू। 30

7. (क) "जिबैत रहब पहिने जरूरी छैक संसारमे, तखन लोक-लाज, नीक-बेजाय" प्रस्तुत वाक्य-खण्डक आलोकमे 'पृथ्वीपुत्र' उपन्यासक तर्कसंगत समीक्षा करू। 30

(ख) 'भफाइत चाहक जिनगी'मे लेखक की अभिप्राय छन्हि—युक्तियुक्त विवेचन करू। 30

8. (क) पठित अंशक आधार पर कतोक समीक्षाक द्वारा 'वर्ण रत्नाकर'कें 'वर्णन रत्नाकर' कहबाक औचित्यक समीक्षा करू। 30

(ख) मैथिली साहित्यमे राजकमल चौधरीक योगदानक चर्चा करू। 30

★ ★ ★

12

G–DTN–M–NBJA

MAITHILI

Paper—I

(Literature)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any THREE of the remaining questions, selecting at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in Maithili.

Important Note

Whenever a question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous question attempted. This is to be strictly followed.

Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink. Any answers that follow pages left blank may not be given credit.

Section—A

1. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू : 12×5=60

(क) जार्ज अब्राहम ग्रिअर्सनक मैथिली व्याकरण ओ भाषा-वैज्ञानिक कृति

(ख) प्राकृत ओ मैथिलीक सम्बन्ध

(ग) भाषाक वर्गीकरणक आधार

(घ) भारोपीय भाषा परिवारक महत्त्व

(ङ) मैथिली भाषाक क्षेत्रीय विभाजन

2. (क) भारोपीय भाषा परिवारक सामान्य परिचय प्रस्तुत करू। 30

(ख) मैथिली भाषाक विकासक रूपरेखा प्रस्तुत करू। 30

3. (क) भाषा-विज्ञानक आकृतिमूलक वर्गीकरण करैत ओकर उपयोगिता सिद्ध करू। 30

(ख) मध्यकालीन आर्यभाषासँ परिचय कराउ। 30

4. (क) भाषा ओ बोलीमे अन्तर स्पष्ट करैत बोलीकेँ भाषा बनवाक कारणक उल्लेख करू। 20

(ख) नवीन भारतीय भाषाक मध्य मैथिलीक स्थान निरूपित करू। 20

(ग) मिथिलाक्षरक महत्त्व पर निबन्ध-रचना करू। 20

Section—B

5. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू : 12×5=60

(क) चर्यापद मैथिलीक सम्पत्ति

(ख) मैथिली कथामे नारी

(ग) मैथिलीक संस्मरण साहित्य

(घ) मैथिलीक मुक्तक काव्य

(ङ) मैथिलीक अनुवाद साहित्य

6. (क) ज्योतिरीश्वर ओ हुनक 'वर्णरत्नाकर'क विषयवस्तुसँ परिचय कराउ। 30

(ख) ''विद्यापतिक युग मैथिली साहित्यक स्वर्णयुग छल''—एहि कथन के सिद्ध करू। 30

7. (क) मैथिली साहित्यक कोनो एक आलोचकक आलोचनासँ परिचय कराउ। 30

(ख) वर्त्तमानमे प्रकाशित मैथिली पत्र-पत्रिकाकसँ परिचय कराउ। 30

8. (क) मध्यकालीन मैथिली नाटकक विकासमे 'कीर्त्तनिञा नाट'क महत्त्व प्रतिपादित करू। 20

(ख) आधुनिक मैथिली निबन्ध-साहित्यसँ परिचय कराउ। 20

(ग) ''कवीश्वर चन्दा झा आधुनिक मैथिली साहित्यक युग-प्रवर्त्तक छलाह''—सयुक्ति विवेचन करू। 20

★ ★ ★

CS(M) EXAM2012

G–DTN–M–NBJB

MAITHILI

Paper—II

(Literature)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any THREE of the remaining questions, selecting at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in Maithili.

Important Note

Whenever a question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous question attempted. This is to be strictly followed.

Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink. Any answers that follow pages left blank may not be given credit.

Section—A

1. निम्नलिखित अवतरणक भावकेँ स्पष्ट करैत एकर काव्य-वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट कए सप्रसंग व्याख्या करू (उत्तर अधिकतम *150* शब्दमे दातव्य) : 12×5=60

(क) मालति सफल जीवन तोर।
तोरे विरहे भूवन भमए
भेल मधुकर भोर।।
जातकि केतकि कत न अछ
कुसुम रस समान।
सपनहु नहि काहू निहारए
मधु कि करत पान।।
जकर हृदय जतए रहल
धसि पए ततहि जाए।
जेअओ जतने बान्धि निरोधिअ
निमन नीर समाए।।

(ख) नाव अरि लाव नहि, उतरक दाव नहि,
एक बुद्धि आब नहि, सागर अपारमे।
वीर अरि छोट नहि सङ्ग एकगोट नहि,
लङ्का लघुकोट नहि विदित संसारमे।
दनुज अवल नहि, पुरी गम्य थल नहि,
प्रदेश अमल्ल नहि युद्धक विचारमे।।
अहाँक समान नहि, वीर हनुमान नहि,
सर्व्वस्वक दान नहि तूल उपकारमे।।

(ग) पत्नी पञ्च पाण्डवक, द्रुपद-सुपुत्रि,
पति-प्राणा, कुलवधू कुरुक, सुकुमारि,
रति-लज्जाकर जनिकर अनुपम रूप,
पति-अज्ञात-वाससँ छथि असहाय,

जनि सुन्दर-सुविशाल-रसाल-सनाथ—
मालति, कुसुम-भार-नत, जकर सुगन्धि
लए-लए पवन करए जनमन आनन्द,
नियति-क्रमहि पाबए दुस्सह आघात
झंझानिलक, होअए आश्रय द्रुम-नष्ट,
शतशत मधुकर जत लुबुधल मधु-लोभ
भए असहाय सहए पशुपदक प्रहार,
कण्टकमय तृण-सङ्कुल भूमि लोटाए।
एहि विधि कृष्णा हतभागा सुकुमारि
मत्स्येशक अन्तःपुर कएल प्रवेश।

(घ) परम मेधावी कते बालक जत'
मूर्ख रहि हा गायटा चरबैत छथि
कते वाचस्पति कते उदयन जत
हाय! बनगोइठा बिछैत फिरैत छथि
तानसेन कतेक रविवर्मा कते
घास छीलथि वाग्मतीक कछेड़मे
कालिदास कतेक विद्यापति कते
छथि हेड़ाएल महिसवारक हेड़मे
अन ने छै कैंचा ने छै कौड़ी ने छै
गरीबक नेना कोना पढ़तैक रे?
उठह कवि, तौं दहक ललकारा कने
गिरि-शिखर पर पथिक-दल चढ़तैक रे॥

(ङ) ''कान पाथिकैं सुनब पहर भरि।
गाबथु प्रौढ़ा लोकनि मलार॥
भीजब हम भरिपोख पहर भरि।
बदरा बरसओं मूसलाधार॥
चोभब राढ़ी आम भदईया,
सलहेसक हम करब सिङ्गार

बिसहाराक गहबर ओगरब गऽ
देखब गऽ लाबाक पथार,
सूपक मूप उझिलता अइखन
पाछाँ बरू भऽ जेता देखार,
बिला जेता भादवमे बिलकुल
मेघक लीला अपरम्पार
कान पाथि के सुनब प्रहरि भरि।
गाबथु प्रौढ़ा लोकनि मलार॥"

2. (क) 'मिथिला भाषा रामायण'क 'सुन्दरकाण्ड'मे चित्रित विरहिणी सीताक मनोदशाक वर्णन करू। 30

(ख) 'चित्रा'क नामकरणक सार्थकता पर विचार करू। 30

3. (क) "सरस जीवनक मधुर गायक महाकवि विद्यापति सौन्दर्योपासक कवि छथि"—एहि कथनक समीक्षा करू। 30

(ख) गोविन्ददासक कवित्वशक्तिक विवेचन करू। 30

4. (क) मैथिली पद्यसाहित्यक विकासमे 'कृष्णजन्म'क स्थान निरूपित करू। 30

(ख) आधुनिक मैथिली कविताक प्रमुख प्रवृत्तिसँ परिचय कराउ। 30

Section—B

5. निम्नलिखित गद्यांशक अभिव्यंजनागत ओ कथ्यगत वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट करैत सन्दर्भ-सहित व्याख्या करू (उत्तर अधिकतम *150* शब्दमे दातव्य) : 12×5=60

(क) पूर्ण्णिमाक चान्द अमृत पूरल अइसन मुह। श्वेत पङ्कजकाँ दल भ्रमर वयिसल अइसन आँषि। काजरक कल्लोल अइसन भञुह। गथले फुले नर्म्मदाक शलाका पूजल अइसन षोम्पा।

कनिअराक कर अइसन नाक। सीन्दुर मोति लोटाएल अइसन दान्त। वेतक साट अइसन बाँह। पारिजातक पल्लव अइसन हाथ। विकसित स्थलपद्म अइसन चरण।

(ख) चाहे मीमांसाक कर्मकांड हो वा योगक अष्टांग साधन हो वा वेदान्तक ब्रह्मज्ञान हो, सभक मूलमे एक्के भावना काज करैत छैक—भविष्यमे महत्तम आनन्दक प्राप्ति। केओ स्वर्गक स्वप्न देखैत छथि, केओ अमरत्वक कल्पना करैत छथि, केओ निरतिशय सुख चाहैत छथि। मोक्ष, कैवल्य, निर्वाण—सभक एके तत्त्व छैक—आनन्दलिप्सा। साधक-गण चाहै छथि जे एहि जीवनमे अधिकसँ अधिक फीस दऽ कऽ स्वर्ग वा मोक्षक वीमा करा ली। और एहि वणिक बुद्धिकेँ 'धर्म' कहल जाइत अछि।

(ग) घरक हाइ-कमाण्ड एखन धरि इएह रहय। अइ टोकमे कोनो तेहन शक्ति रहैक जकरा नेनहिसँ मानबाक संस्कार जमि गेल रहैक। कोनो अनट-विनट काज करैत काल, कोनो अनुचित करैत काल, इएह टोक नेनासँ सुनने रहय। आ तकर बाद फेर आगाँ किछु कहबाक आ कि करबाक साहस कहियो ने होइक। आइयो ने भेलैक। नवीन पौरुषक दर्प उतरि गेलैक। हठात् घोर लज्जा घेरि लेलकै। माइक सोझाँ अपन पौरुषक प्रदर्शनसँ बड़ संकोच भेलै। धस्स दऽ बैसि गेल।

(घ) जे व्यक्ति अपने कोनो जोगरक नै रहैए सैह समाजक आ कुलशीलक नाक झंडामे टङने फिरैए आ जकरा अपन बाँहिक भरोस रहै छै से घर-परिवार वा समाजक बोझ नै बनिकऽ अपने हाथ-पयर लाड़ब पसिन्द करैए। ...जखन बैसल बेटा मायो-बापकेँ नै सोहाइत छैक, आन किए ककरो गरा लगोतैक। अहाँकेँ गौआसभक ओहि ठाम पेट पोसऽमे मर्यादा देखाइत अछि आ हमरा एहन जीवन मरणतुल्य बुझाइत अछि।

(ङ) मुदा किछुए क्षणक वार्त्तालापमे ई बूझ'मे भाङठ नहि रहल जे उदास मुँहवाली एहि स्त्रीमे किछु से विशेषता अछि जे अनकामे नहि छैक। ई साधारण स्त्री जकाँ जे नीक भानस कर'मे... पतिक सेवा कर'मे... सासुक फज्झति सून'मे... उपनयन-विवाहमे जोर-जोरसँ गीत गाब'मे, दुर्गास्थान, सेमरिया, बैद्यनाथक भीड़क प्रचण्ड धक्का सह'मे जीवन सार्थक बुझैछ, ... नहि छथि। फुलपरासवाली हमर ई भौजी किछु विशिष्ट अवस्से।

6. (क) किरणजीक 'मधुरमनि' कथाक समीक्षा करू। 30

(ख) 'लोरिक विजय' मणिपद्मक विलक्षण कृति अछि—युक्तियुक्त प्रतिपादन करू। 30

7. (क) नाट्यकलाक दृष्टिसँ 'भफाइत चाहक जिनगी'क विशेषता देखाउ। 30

(ख) ''पृथ्वीपुत्र' कोनो वर्गविशेष अथवा समाजविशेषक नहि अपितु मानवजातिक मूलभूत भावना ओ वासनाक चित्र उपस्थित करैत अछि''—सयुक्ति विवेचन करू। 30

8. (क) ''खट्टर कका अपन भांगक तरंगमे चुटकी बजबैत उनटे गंगा बहा दैत छथि''—'खट्टर ककाक तरंग'क आलोकमे एहि उक्तिक सार्थकता सिद्ध करू। 30

(ख) ''कवि राजकमलकेँ लोक बिसरि जाएत, मुदा कथाकार राजकमल मैथिली साहित्यक क्षेत्रमे अमर रहताह''—एहि कथनपर विचार करू। 30

★ ★ ★

MAITHILI

Paper—I

(Literature)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **Two Sections**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in **MAITHILI.**

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the answer book must be clearly struck off.

SECTION—A

Q.1. निम्नलिखित विषयपर टिप्पणी लिखू (150 शब्दसँ अधिक नहि) :— **10×5=50**

Q. 1(a) सुभद्र झा। 10

Q. 1(b) प्राकृतक विशेषता। 10

Q. 1(c) मैथिलीक क्रियापद। 10

Q. 1(d) तिरहुता लिपिक महत्व। 10

Q. 1(e) मैथिली भाषाशास्त्र। 10

Q. 2(a) मैथिली ओ असमिया भाषाक संबंधक विवेचन करू। (शब्द सीमा **250**) 20

Q. 2(b) मैथिली भाषाक विकास-क्रमक समीक्षा करू। (शब्द सीमा **250**) 15

Q. 2(c) तिरहुता लिपिक उद्भव ओ विकास पर प्रकाश दिअ। (शब्द सीमा **250**) 15

Q. 3(a) भारोपीय भाषा-परिवारक विश्लेषण करैत एहिमे मैथिलीक स्थान निरूपित करू। (शब्द सीमा **250**) 20

Q. 3(b) भाषाकेँ परिभाषित करैत बोलीसँ भाषा बनबाक कारणक उल्लेख करू। (शब्द सीमा **250**) 15

Q. 3(c) भाषाक परिभाषा दैत बोलीसँ ओकर पार्थक्य देखाउ। (शब्द सीमा **250**) 15

Q. 4(a) मैथिलीक सर्वनामक विश्लेषण करू। (शब्द सीमा **250**) 20

Q. 4(b) भारतीय आर्यभाषाक परिचय दैत ओहिमे मैथिलीक स्थान निरूपित करू। (शब्द सीमा **250**) 15

Q. 4(c) मैथिली भाषाक काल विभाजन पर विचार करू। (शब्द सीमा **250**) 15

SECTION—B

Q.5. **निम्नलिखित विषयपर टिप्पणी लिखू (150 शब्दसँ अधिक नहि) :—** **10×5=50**

Q. 5(a) शंकरदेव 10

Q. 5(b) पारिजात-हरण नाटक 10

Q. 5(c) मैथिलीक शोध-पत्रिका 10

Q. 5(d) मैथिलीमे लोककथाक विकास 10

Q. 5(e) मुक्तक काव्य। 10

Q. 6(a) मैथिली साहित्यक काल-विभाजनक प्रसंग विद्वान लोकनिक मतक समीक्षा करू। (शब्द सीमा **250**) 20

Q. 6(b) विद्यापतिकेँ अहाँ शृंगारी-कवि बुझैत छियनि वा भक्त-कवि ? सयुक्ति प्रतिपादन करू। (शब्द सीमा **250**) 15

Q. 6(c) विद्यापतिक अनुशरण परम्परा पर प्रकाश दिअ। (शब्द सीमा **250**) 15

Q. 7(a) महाकाव्य ककरा कही ? मैथिलीमे महाकाव्यक विकासक रूपरेखा प्रस्तुत करू। (शब्द सीमा **250**) 20

Q. 7(b) मैथिलीक लोकगाथात्मक उपन्याससँ परिचय कराउ। (शब्द सीमा **250**) 15

Q. 7(c) नेपालमे रचित मैथिली नाटकक वैशिष्ट्यसँ परिचय कराउ। (शब्द सीमा **250**) 15

Q. 8(a) मैथिलीक पत्र-पत्रिकाक विकासपर प्रकाश दिअ। (शब्द सीमा **250**) 20

Q. 8(b) 'कवीश्वर'क काव्य-सौष्ठवपर प्रकाश दिअ। (शब्द सीमा **250**) 15

Q. 8(c) मिथिलाभाषा रामायणक वैशिष्ट्यसँ परिचय कराउ। (शब्द सीमा **250**) 15

MAITHILI

PAPER—II

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION—A

1. काव्य-वैशिष्ट्यकें निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य) : 10×5=50

(क) भुस्साक आगि जकाँ नहूँ नहूँ
जरै छी मने मने हमहूँ
फटै छी कुसियारक पोर जकाँ
चैतक पछवामे ठोर जकाँ।

(ख) की हम साँझक एकसरि तारा
भादव चौठिक चन्दा।
ऐसन कए पियाए मोर मुख मानल
मो पति जीवन मन्दा।।
वामहु गति जत समदि पठौलनि
से सबे कहि कहि गेलि।
तेसरि तिथि ससि सामर परवनिसि
दसमि दसा मोरि भेलि।।

(ग) पहिलहि कूल तूल-सम ऊड़ल जाकर बेनुक फूके।
धरम करम मति भरम-सरिस भेल नारी गिरिसम दुःखे।।
सजनी, किअ हम करब उपाय।
हेरइत से कान्ह अपन-अपनतन काहि करब अन्तराय।।

(घ) देवर-तीर जेहन प्रलयानल, रावणगण वन झूर।
के हम थिकहुँ ककर हम कामिनि, परिचय पओता क्रूर।।
सकल तमीचर तामस तम सम, श्रीरघुनन्दन सूर।
हमर यहन गति दैव देखै छथि, नहि उपाय कछु फूर।।

(ङ) शार्दूली की कखनहु पाबए वास
जम्बूकक? की ज्वलित तप्त अंगार
तृणचय सकय झोंकि? की चम्पक त्रास
भ्रमर तुच्छ कए सकए कतहु उपभोग?
जँ हम कएल न तजि पाण्डवपति पंच
आन पुरुष प्रति कखनहु स्वपनहु चित्त
नहि कीचक कए सकत हमर तन स्पर्श।

2. (क) 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण'क 'बालकाण्ड'क काव्यगुणक समीक्षा करू। 25

(ख) काव्य-वैशिष्ट्यक दृष्टिएँ 'दत्तवती' महाकाव्यक प्रथम सर्गक मूल्यांकन करू। 25

3. (क) ''विषयवस्तुक उपस्थापनमे आडम्बरहीन सहज, सरल भाषाक प्रयोग कए महाकवि मनबोध जेहन रचनाक सृजन कएलन्हि ओ लोकोत्तर आनन्द प्रदान करैत अछि।'' एहि कथनक आलोकमे 'कृष्णजन्म' महाकाव्यक समीक्षा करू। 25

(ख) ''समकालीन मैथिली कविताक मूल स्वर अछि सामाजिक विसंगति पर कड़गर प्रहारक स्वर।'' एहि कथनक सार्थकता सिद्ध करू। 25

4. (क) ''महाकवि विद्यापति वियोगेकें प्रेमक कसौटी मानेन छथि तें हिनक नायिकाक वियोगविगलित हृदयक कारुणिक मधुर स्वर भावुककें साधारण स्तरसँ ऊपर उठाए ब्रह्मानन्दक सुखानुभूतिसँ गद्‌गद् कए दैत अछि।'' एहि कथनक आलोकमे विद्यापतिक वियोग गीतक समीक्षा करू। 25

(ख) ''पठित अंशक आधार पर गोविन्ददासक भाषा-प्रयोगक सम्बन्धमे कहल जा सकैत अछि जे कविक भाव-साधना जकाँ शब्द-साधना सेहो श्लाघ्य अछि।'' एहि कथनक मूल्यांकन करू। 25

SECTION—B

5. निम्नलिखित कथ्यक अभिव्यंजनागत वैशिष्ट्यकें निर्दिष्ट करैत सन्दर्भ-सहित व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए (उत्तर अधिकतम *150* शब्दमे दातव्य) : 10×5=50

(क) सब मात्र पगहा तोड़ि नै पड़ाइ छै। सब गाछकें बिहाड़ि नै तोड़ि-मड़ोड़ि दै छैक। बहुत गाछ बिहाड़िक दोगे-दोगे बाँचि जाइत अछि। फड़ि-फुला क' सुखा जाइत अछि। मुदा कतेक अभागल गाछ बिहाड़िक बाट पर ठाढ़ झमारल जाइत अछि, बेर-बेर मचोड़ल जाइत अछि।

(ख) जैह भेद रसगुल्ला ओ लड्डूमे छैक। रसगुल्ला सरस ओ कोमल होइछ, लड्डू शुष्क ओ कठोर। रसगुल्ला पूर्वक प्रतीक थीक, लड्डू पश्चिमक। तें हम कहैत छिऔह जे ककरो जातीय चरित्र बुझबाक हो त ओकर प्रधान मधुर देखी।

(ग) परन्तु हुनकर मन एकरा कबूल करनि तखन ने! नेनु सन कोमल हृदय एहि दृढ़ताक आँचकें कहाँ सहि पबैत अछि? किऐक मन हरदम हुनकहि संग रह' लेल लागल रहैत छनि तकर कारण ओ स्वयं नहि बुझि पबैत छथि। परन्तु अन्तमे किछु अनुभव करैत छथि—एक प्रकारक आकुलता, एक प्रकारक आकांक्षा, एक प्रकारक वेदना ...।

(घ) मुदा जखनसँ हमरा ई बुझल भेल अछि जे बड़का-बड़का अफसर आ बड़का-बड़का जातिक बड़हु बेटी नाटक खेलाइ छै, नाच करै छै, गीत गबै छै .... हम छगुन्तामे पड़ि गेल छी। कोम्हर जा रहल अछि अपन समाज, किछु बुझाइते ने अछि। सभलोक भ्रष्ट भेल जा रहल अछि।

(ङ) अनाचारियो तेहने छल ओ (हरबा-बरबा)। दुहबी-सुहबी नामक दूटा ब्राह्मण कुमारीक अपहरण कए ओकरा सभकें अपना विलास भवनमे राखि नेने छल। ओ प्रत्येक दिन कतोक रूपसीकें पकड़ि कए मंगवालिए आ अपना विलासक हेतु किछुदिन राखि कए ओकरा सभकें घुरा दैक।

6. (क) '' 'पृथ्वीपुत्र' उपन्यास सर्वहारा वर्गक अपन अधिकारक प्रति साकांक्षताक संघर्ष-कथा अछि।'' एहि कथनक समीक्षा करू। 25

(ख) 'पाँचपत्र' कथाक माध्यमसँ सिद्ध करू जे प्रो० हरिमोहन झा अपन रचनामे नै मात्र हास्य-व्यंग्यक धार प्रवाहित करैत छथि अपितु मोनकें अन्तःकरण धरि द्रवीभूत करबाक सामर्थ्य सेहो रहैत अछि हिनक कथामे। 25

7. (क) पात्र चरित्रक दृष्टिएँ 'लोरिक विजय' उपन्यासक प्रमुख पात्रक चारित्रिक मूल्यांकन करू। 25

(ख) ''राजकमलक कथा मिथिलांचलक मध्यवर्गक ओहि समस्त संस्कार पर जमि क' प्रहार करैत अछि जे ओकर आर्थिक-सामाजिक संघर्षमे बाधक थिकैक।'' 'कृति राजकमल'क कथाक मादेँ कहल गेल एहि कथनक समीक्षा करू। 25

8. (क) 'वर्णरत्नाकर'क दोसर कल्लोलक विषयवस्तुक उपस्थापनमे कविक सूक्ष्म सौन्दर्य-दृष्टिक परिचय भेटैत अछि— प्रमाणित करू। 25

(ख) ''आनन्दमूर्त्ति मस्त खट्टरकका विषयवस्तुक प्रस्तुतिमे विनोदक गंगा प्रवाहित कए दैत छथि किन्तु भांगक तरंगोमे जे कहैत छथि से तर्कसंगत रहैत अछि।'' 'चाणक्यक जन्मभूमि' गप्पक प्रसगेँ कहल गेल एहि उक्तिक समीक्षा करू। 25

★★★

CS (Main) Exam : 2014

C-DRN-N-L-OBJA

MAITHILI

Paper I

(LITERATURE)

Time allowed : **Three** Hours	Maximum Marks : **250**

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.***

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

*Answers must be written in **MAITHILI**.*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखू (लगभग 150 शब्द धरि) : *10×5=50*

(a) मैथिली व्याकरण ओ पाणिनि *10*

(b) प्राकृत भाषा ओ अर्धमागधी *10*

(c) वर्ण-विपर्ययक कारण ओ महत्व *10*

(d) दीनबन्धु म्याक व्याकरणक उपादेयता *10*

(e) भाषाक महत्ता ओ वैशिष्ट्य *10*

Q2. (a) पूर्वाञ्चल भाषा साहित्यमे मैथिली ओ ओड़ियाक साम्य ओ वैषम्यक विश्लेषण करू । *20*

(b) भाषाक उत्पत्तिक कारण ओ मैथिली भाषाक उत्पत्तिक विषयमे वर्णन करू । *15*

(c) तिरहुताक विकासक्रमक ऐतिहासिक विवरण ओ साहित्यिक महत्वक प्रतिपादन करू । *15*

Q3. (a) विद्यापति मध्यकालीन मैथिली भाषाक स्वरूपक आधार स्तम्भ छथि, विचार करू । *20*

(b) मैथिलीक विभिन्न बोली पर प्रकाश दैत 'छिकाछिकी' पर कोन भाषाक प्रभाव छैक, से देखाउ । *15*

(c) भारोपीय भाषा परिवारक परिचय ओ वैशिष्ट्यक वर्णन करू । *15*

Q4. (a) मैथिलीक सर्वनामक व्यापकता ओ वैशिष्ट्यक उल्लेख करू । *20*

(b) मैथिली भाषाक क्षेत्र में ग्रियर्सनक अवदानक उल्लेख करैत तकर वैशिष्ट्यक वर्णन करू । *15*

(c) मध्यकालीन आर्यभाषाक विशेषताक विवेचन विश्लेषण करू । *15*

SECTION B

Q5. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग 150 शब्द धरि) : *10×5=50*

(a) मैथिलीक संस्मरण साहित्य ओ साहित्य अकादेमी पुरस्कार *10*

(b) मैथिलीक निबन्धक विषयगत वैविध्य *10*

(c) प्रबन्ध काव्यक औचित्य *10*

(d) मैथिलीमे अनुवाद साहित्यक महत्व *10*

(e) मैथिलीक लोकोक्ति-फकरा ओ सिद्धाचार्य *10*

Q6. (a) सिद्ध साहित्यक परीचय दिउ एवं एकर भाषाक वैशिष्ट्य देखाउ । *20*

(b) 'देसिल वयना'क कवि विद्यापति मात्र मिथिले धरि सीमित नहि रहथि – सयुक्ति प्रतिपादित करू । *15*

(c) ऐतिहासिक, राजनीतिक ओ साहित्यिक परिप्रेक्ष्यमे विवेचन करून जे चन्दाम्या आधुनिक कालक जनक रहथि । *15*

Q7. (a) नारी जागरणक पृष्ठभूमिमे रचित मैथिली उपन्यासक विकासमे विभिन्न पत्र-पत्रिकाक योगदानक उल्लेख करू । *20*

(b) मिथिलाक मध्यकालीन नाटक त्रैमाषिक अछि, एहि पर प्रकाश दिआ । *15*

(c) मैथिलीक यात्रा साहित्यक स्थिति पर विचार करैत सुभद्रम्याक योगदानक महत्व पर प्रकाश दिअ । *15*

Q8. (a) कृष्ण जन्मक महाकाव्यत्व ओ भाषाक प्रसंग सयुक्ति विचार करू । *20*

(b) मैथिलीमे महिला कथा-लेखन पर तथ्यात्मक विवरण प्रस्तुत करू । *15*

(c) मैथिलीक बाल-साहित्यक भूत-वर्तमान ओ भविष्यक प्रसंग तथ्यात्मक विवेचन करू । *15*

CS (Main) Exam, 2014

C–DRN–N–L–OBJB

MAITHILI

PAPER—II

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI (Devanagari script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION—A

1. काव्य-वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए (उत्तर अधिकतम *150* शब्दमे दातव्य) : 10×5=50

(a) प्राची दिशि भय गेल प्रकाश। नव नृप रविक उदय उल्लास॥
अरुण वसन शुभ पहिरि दिनेश। मंच उदय-गिरि बैसला बेश॥
चहु दिशि मंगल गाब विहंग। बाजए घंटा शंख मृदंग॥
शिव-शिव ध्वनि भल हो चहु ओर। मागध सूत विरूद पढ़ शोर॥
गाब भक्त सभ भैरव राग। सुनि-सुनि सभकाँ बड़ अनुराग॥
कमल प्रफुल्लित मन्द समीर। बहय सुखद सौरभयुत धीर॥

(b) सुइ लय बेधिअ गाँथिअ ताग
हाथ छुबिअ तओं हाथहिं लाग
गरजि सघन घन बरिसय बारी
तैं फनिपति फना देलन्हि पसारी
लागल झड़ी भुलल सब दीग
पशु-पक्षी सब पड़ल अदीग
सूर्यसुधाकर खोजलों ने पाबिअ
कमलकुमुद निशिवासर जानिअ।

(c) सीखल कत भाषा, लीखल जत लिपि प्रचलित जग बीच।
परिचित विविध देश व्यवहारक ऊँच रहौ वा नीच॥
भाषण, लेखन, वाचन, गायन अभिव्यक्ति हित उक्ति।
सुभाषितक उर हार पहिरि श्रुति-सूक्त सूक्ति रस उक्ति॥
तर्क-वितर्क वाद-संवादहु अनुवादहुमे दक्ष।
रहल कसरि नहि, असरि गुरुकुलक एतय भेल प्रत्यक्ष॥

(d) चाँद सार लए मुख घटना करू
लोचन चकित चकोरे।
अमिय धोए आँचरे जनि पोछल
दह दिस भेल उजोरे॥
कामिनी कोने गढ़ली।
रूप सरूप मोहि कहइते असम्भव
लोचन लागि रहली॥
गुरु नितम्भ भरे चलए न पारए
माझ खीनिम निमाइ।
भांगि जाइति मनसिजे धरि राखलि
त्रिबलि लता अरुझाइ॥

(e) तोड़ि कँ हरिसिंहदेवक डाँड़
कािल्हि जँ बौआ बिआहथि मेम
महाश्वेता बहुरिआ
चिनमार पर ओ आबि
बिहुँसि लगती गोसाउनिकेँ गोड़
तेँ अहाँ की छाड़ि कँ ई माटि
पड़ाएब चल जएब मोरङ दीस।

2. (a) ''‘मिथिला भाषा रामायण’क ‘सुन्दरकाण्ड’मे हनुमानक चरित वर्णित अछि।'' एहि कथनक सार्थकता सिद्ध करू। 20

(b) ''‘महाभारत’क विराट पर्वमे वर्णित पाण्डव लोकनिक वनवासोत्तर विराट राजाक आश्रयमे अज्ञातवासक समयक वृत्तांत पर ‘कीचक वध’ महाकाव्यक कथावस्तु आधारित अछि''—समीक्षा करू। 15

(c) मैथिली काव्य-साहित्यमे ‘कृष्णजन्म’क महत्त्व पर प्रकाश दिअ। 15

3. (a) ''यात्रीकेँ सामान्यतः मार्क्सवादी ओ प्रगतिशील कवि कहल जाइत छन्हि''—‘चित्रा’क आधार पर एहि उक्ति पर विचार करू। 20

(b) समकालीन मैथिली कविताक आधार पर मायानन्द मिश्रक कवितासँ परिचय कराउ। 15

(c) लालदासक ‘रमेश्वर चरित मिथिला रामायण’क नामकरण पर विचार करू। 15

4. (a) ''गोविन्ददासक काव्य नारिकेल फलक सदृश रहितहुँ श्रुति-माधुर्यसँ परिपूर्ण अछि।'' पठित अंशक आधार पर एहि कथनक मूल्यांकन करू। 20

(b) ''विद्यापतिक पदावली गीतकाव्य थिक जे हिनक भावाभिव्यक्तिक सूक्ष्मता राग-ताललयाश्रित कोमलकान्त पदावली प्रसादपूर्ण माधुर्यसँ ओतप्रोत अछि।'' पठित अंशक आधार पर युक्तिपूर्वक विचार करू। 15

(c) ''सुमनजीक रचनामे प्राचीनता ओ नवीनताक विलक्षण समन्वय भेल अछि''—युक्तियुक्त विवेचन करू। 15

SECTION—B

5. निम्नलिखित कथ्यक अभिव्यंजनागत वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट करैत सन्दर्भ-सहित व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए (उत्तर अधिकतम *150* शब्दमे दातव्य) : 10×5=50

(a) अइ टोकमे कोनो तेहन शक्ति रहैक जकरा नेनहिसँ मानबाक संस्कार जमि गेल रहैक। कोनो अनट-बिनट काज करैत काल, कोनो अनुचित करैत काल, इएह टोक नेनासँ सुनने रहए। आ तकरा बाद फेर आगाँ किछु कहबाक आ कि करबाक साहस कहियो ने होइक। आइओ ने भेलैक। नवीन पौरुषक दर्प उतरि गेलैक। हठात् घोर लज्जा घेरि लेलकै।

(b) आजुक युगमे यदि क्यो सोड़हो आना भाग्यवादी बनि जाय आ हिया हारिक' अपनाकेँ भगवानक इलाका लगा देअय, त लोक ओकरा बताहे कहतैक कि! मुदा हमरा सनक भेष-भुषावाला लोक यदि समाजमे बताह कहाब' लागय तँ भरिसक संसारमे बताहक संख्या सभसँ बेसी भ' जयतैक। की सरिपहुँ लोक जानि-बुझि क' अपन बगय खराप बना लैए?

(c) पूर्णिमाक चान्द अमृत पूरल अइसन मुह। श्वेत पंकजकाँ दल भ्रमर बयिसल अइसन आँषि· काजरक कल्लोल अइसन भञुह· गथले फुले नर्मदाक शलाका पूजल अइसन षोम्पा· पखाक पल्लव अइसन अधर· कनिअराक कर अइसन नाक· सिन्दुर मोति लोटाएल अइसन दान्त। वेतक साट अइसन वाँह· पारिजातक पल्लव अइसन हाथ।

(d) स्वांग रचब हमर जीवन आ जीविका भ' गेल अछि। बीस बर्ख पहिने ई सत्य हमरा बुझवामे आबि गेल छल जे जीबाक अछि; तँ स्वांग रच' पड़त, कोनो-ने-कोनो स्वांग-नीक लोकक वा अधलाह लोकक! बुझवामे आबि गेल छल जे सभ लोक कोनो-ने-कोनो स्वांग रचैत अछि। जे हम छी, जे हमर असली व्यक्तित्व अछि, हमर असली चेहरा, से व्यक्त कयने, व्यक्त करैत रहलासँ ने हमरा अन्न-पानि भेटि सकैत अछि, ने ठाढ़ होयबाक लेल कोनो ओसारा, कोनो आङन!

(e) देबहाक धारामे ओ राजहंस कत्ते सिनेहक संग अपना हंसिनीक संग ग्रीवामे चंचु-आघात कए रहल अछि, लगक साहोड़क गाछ पर बैसल पंडुक दम्पति कोना अपना कलकुँजनसँ वातावरणमे मधु घोरि रहल अछि। तैयो आँहाँ हमरा एहिठाम आबक कारण पूछइ छी। एत्तेक दिन व्याह भेना भेल आँहाँ गौनाक नाम नहि लेलहुँ। आँहाँ भने ठमकल रहलहुँ किन्तु समय तऽ नहि ठमकल रहल। हम पूछए आएल छी जे हम कोन अपराधेँ उपेक्षिता भए रहल छी?

6. (a) नारी हृदयक संवेदनशीलताक चित्रणमे किरणजी कतेक दूर धरि सफल भेल छथि? 'मधुरमनि' कथाक आधार पर सिद्ध करू। 20

(b) "'पृथ्वीपुत्र' उपन्यासमे ललित मानव स्वभावक नैसर्गिक प्रवृत्ति ओ भावनाकेँ जाहि प्रकारेँ प्रधानता देल अछि से हुनक स्वस्थ दृष्टिकोणक परिचायक थिक।" एहि कथनक समीक्षा करू। 15

(c) "हरिमोहन झाक रचनामे व्यंग्य-विनोद आ पांडित्यक त्रिवेणी प्रवाहित होइत अछि।" एहि उक्तिक सार्थकता देखाउ। 15

7. (a) "'वर्णरत्नाकर'क द्वितीय कल्लोलमे श्रृंगार रसक विविध सामग्रीक चर्चा करब कविक उद्देश्य बुझि पड़ैत अछि"—प्रमाणित करू। 20

(b) "'साँझक गाछ' कथामे जीवनक संघर्ष वाह्य एवं अभ्यन्तर दुनूक समावेश पूर्णरूपेण देखवामे अबैत अछि।" एहि कथनक समीक्षा करू। 15

(c) "'वर्णरत्नाकर'केँ काव्य नहि काव्योपयोगी कहल जाइत अछि"—सयुक्ति प्रतिपादन करू। 15

8. (a) 'लोरिक विजय' उपन्यासमे तत्कालीन मिथिलाक छोट-छोट सामन्तक अत्याचार ओ दुराचारसँ सामान्य लोकक जीवन अस्त-व्यस्त छल। लोरिक ओहि सामान्य जनजीवनमे उत्पीड़नजन्य आक्रोशकेँ सहन नहि कए सकलाह आ हुनका लोकनिकेँ संगठित कए ओहि अत्याचारी सामन्तक विरुद्ध युद्ध कएलनि—एहि विषय पर आधारित एकर कथावस्तुक मूल्यांकन करू। 20

(b) "'भफाइत चाहक जिनगी' नाटकमे नाटककार एक शिक्षित बेरोजगार युवकक चरित्रक कर्मठता ओ संघर्षक चित्रण कएलनि अछि"—विवेचन करू। 15

(c) "मैथिली कथा-साहित्यक भव्य ललाट पर राजकमल-ललित आ मायानन्दकेँ त्रिपुंडक रूपमे देखल जाइत अछि"—एकरा युक्तियुक्त पल्लवित करू। 15

★★★

C-AVZ-O-NULA

MAITHILI

Paper I

(LITERATURE)

*Time Allowed : **Three** Hours*

*Maximum Marks : **250***

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.***

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

*Answers must be written in **MAITHILI**.*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. **निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखू (लगभग 150 शब्द धरि) :** *10×5=50*

(a) तिरहुताक महत्त्व *10*

(b) प्राचीन मैथिलीक विशेषता *10*

(c) संस्कृत ओ मैथिलीक सम्बन्ध *10*

(d) 'प्रयत्नलाघव'क विशेषता किछु उदाहरणक संग *10*

(e) 'अवहट्ठ'क ऐतिहासिक स्वरूप-विवेचन *10*

Q2. (a) पूर्वांचल-भाषा मे मैथिलीक बांग्लाक संग सम्बन्ध स्थापित करू । *20*

(b) मध्यकालीन मिथिलाक सामाजिक, सांस्कृतिक आदि परिस्थितिक परिचय ज्योतिरीश्वरक जाहि ग्रंथसँ प्राप्त होइत अछि, तकर युक्तियुक्त विवेचन करू । *15*

(c) भारोपीय भाषा परिवारक विश्लेषणक क्रममे मैथिलीकेँ कतए पबैत छी ? सयुक्ति प्रतिपादित करू । *15*

Q3. (a) बोली कोन-कोन परिस्थितिमे भाषाक रूप ग्रहण करैत अछि ? *20*

(b) भाषाक स्वरूपक विवेचन करू । *15*

(c) भाषाक उत्पत्तिक चर्चा करैत स्पष्ट करू, जे भाषावैज्ञानिक अथवा शोधकर्त्तालोकनि कोन सिद्धान्तकेँ सर्वाधिक प्रामाणिक मानलन्हि । *15*

Q4. (a) भाषा परिवर्त्तनशील अछि, एकर कारण पर प्रकाश दिअ । *20*

(b) मैथिलीक सर्वनामक विषयमे लिखू । *15*

(c) मैथिली एक स्वतंत्र ओ समृद्ध भाषा थीक, 'भाषा'क कसौटी पर एकरा प्रमाणित करू । *15*

SECTION B

Q5. **निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग 150 शब्द धरि) :** *10×5=50*

(a) मैथिलीक लघुकथाक विवेचन करू । *10*

(b) मैथिली उपन्यासक रूपरेखा प्रस्तुत करू । *10*

(c) असमक अंकीयानाटक विवेचन करू । *10*

(d) विद्यापतिक लोकप्रियता पर प्रकाश दिअ । *10*

(e) कवीश्वर चन्दा झा ओ लालदासक रामायणक तुलनात्मक विवेचन करू । *10*

Q6. (a) 'वर्णरत्नाकर'क साहित्यिक महत्त्व पर प्रकाश दिअ । *20*

(b) गोविन्ददासक रचना 'नारिकेरफलसम्मित' अछि, एहि उक्तिकेँ चरितार्थ करू । *15*

(c) 'दत्तवती'क महाकाव्यत्व प्रमाणित करू । *15*

Q7. (a) मैथिली साहित्यक काल-विभाजनक प्रसंग विभिन्न विद्वानक मतक समीक्षा करू । *20*

(b) मैथिली नाट्य परम्परामे नेपालक योगदान अछि । ज्ञापित करू । *15*

(c) मैथिली भाषाक आदिकालीन स्वरूप पर विचार करैत अपन मतसँ अवगत कराउ । *15*

Q8. (a) मैथिलीक विकासमे 'मिथिलामिहिर'क विशिष्ट योगदान अछि, सिद्ध करू। *20*

(b) मैथिली लोकगाथा पर प्रकाश दिअ । *15*

(c) मिथिला समाजमे व्याप्त वैवाहिक समस्याकेँ दूर करबाक हेतु कोन-कोन रचनाकार द्वारा प्रयास कएल गेल ? *15*

CS (Main) Exam:2015

MAITHILI

PAPER—II

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI (Devanagari script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION—A

1. काव्य-वैशिष्ट्यकें निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए (उत्तर अधिकतम *150* शब्दमे दातव्य) : 10×5=50

(a) तातल सैकत वारि विन्दु सम
सुत मित रमनि समाजे,
तोहे बिसारि मन ताहे समापलुँ
अब मझु हब कोन काजे॥
माधव हम परिनाम निरासा।

(b) हा रघुनाथ आनथ जकाँ, दशकण्ठ-पुरी हम आइलि छी।
सिंहक त्रास महावनमे हरिणीक समान डराइलि छी॥
चन्द्र-चकोरि अहँक सदा, हम शोक समुद्र समाइलि छी।
देवर-दोष कहू हम की, अपना अपराधसँ काइलि छी॥

(c) कतो एक दिवस जखन बिति गेल। हरि पुनु हथगर गोड़गर मेल।
से कोन ठाम कतय नहि जाथि। कय बेरि अंगनहुँ सौं बहराथि॥
द्वार उपर सौं धरि धरि आनी। हरखथि हँसथि जसोमति रानी।
कय बेरि आगि हाथ सौं छीनु। कय बेरि पकलाह तकला बीनु॥

(d) विधवा हमरे सन हजारक हजार
बहौने जा रहलि अछि नोरक धार
ओहिमे ई मुलुक डुबि बरु जाय
ओहिमे लोक भसिया बरु जाय
अगड़ाही लगौ बरु बज्र खसौ
एहेन जाति पर बरु धसना धसौ
भूकम्प हौक बरु फटौ धरती
माँ मिथिला रहिये क' की करती!

(e) देखु, क्षितिजसँ-इन्दु कलाक समान
मत्स्यराज—अन्तःपुरसँ बहराए
के थिक सुन्दरि सुर-रमणी-अनुरूप
जाइत राजपथहिं एकसरि सकुमारि
मत्त-चकोर-नयनि, निज-पद-नख-चन्द्र-
बद्ध-दृष्टि, गज-गामिनि! किअ मुखकञ्ज
अछि एहन विवर्ण, किअ विद्रुम-कान्ति
अधर स्फुरित सङ्कुचित कुटिल भ्रूभंग, छूटइछ अन्तर्ज्वाल-पूर्ण निःश्वास।

2. *(a)* 'मिथिला भाषा रामायण'क 'सुन्दरकाण्ड'क वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ। 20

(b) 'कीचक वध' महाकाव्यक महाकाव्यत्व प्रमाणित करू। 15

(c) ''मनबोध रचित 'कृष्णजन्म' मैथिली साहित्य मध्य एकटा क्रान्तिकारी डेग प्रमाणित भेल।'' एहि कथनकें पुष्ट करू। 15

3. *(a)* '' 'चित्रा'मे सर्वहरा वर्गक मर्मस्पर्शी वेदनाक स्वर मुखरित भेल अछि।'' एहि कथनक विवेचना करू। 20

(b) 'समकालीन मैथिली कविता'क आधार पर रामकृष्ण झा 'किसुन'क काव्य-सौष्ठवसँ परिचय कराउ। 15

(c) ''लालदास रचित 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण' मध्य सीताक चरित्रक प्रधानता अछि''—विवेचना करू। 15

4. *(a)* ''गोविन्ददासक काव्यमे अर्थगाम्भीर्य एवं भक्तिभावनाजन्य तन्मयता दृष्टिगोचर होइत अछि।'' एहि उक्तिक आलोकमे गोविन्ददासक काव्य-वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ। 20

(b) ''विद्यापतिक काव्यक उत्कर्ष हिनक पदावलीमे देखल जाइछ।'' एहि कथनकें पल्लवित करू। 15

(c) 'दत्तवती' महाकाव्यक पठित अंशक आधार पर 'सुमन' जीक पाण्डित्य-प्रकर्षसँ परिचय कराउ। 15

SECTION—B

5. निम्नलिखित कथ्यक अभिव्यंजनागत वैशिष्ट्यकें निर्दिष्ट करैत सन्दर्भ-सहित व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए (उत्तर अधिकतम *150* शब्दमे दातव्य) : 10×5=50

(a) ''असलमे धरती जोतनिहारक थिक। हरबाहक थिक जे धरतीक असल बेटा थिक। जे अपन पसेनासँ धरती-माताकें पूजै अछि। कै दिन देखलहक अछि मालिककें अपन पसेनासँ धरती-माताक पूजा करैत? देखहक सरकारी कानून त' जरूर सोचि विचारि क' बनै छैक ने। बटिदारक नामे खाता कि सिकमी-खाता खोलबाक कानून जरूर कोनो इनसाफसँ बनल हेतैक। हम सभ निपढ़ छी तँइ भने नै बुझियै, मगर ई सोचबाक चाही जे सभ कानूनक पाछाँ कोनो निसाफ जरूर रहैत छैक।''

(b) ''नै, एना बुझलासँ लोकक काज नै चलि सकै छै। जें आइ सभ नवयुवकक लक्ष्य नोकरियेटा भऽ गेलैए तें सभतरि निराशाक वातावरण बनि गेल छै। चाही ई जे नोकरीयोकें एक साधन बूझल जाय। जेना ई संसार अनन्त अछि तहिना साधनो असीमित छैक। मोनकें एके खुट्टासँ बन्हने रहब मनुक्खक मर्यादाकें आ ओकर सामर्थ्यकें अपमान करब थिक।''

(c) ''सरिपहुँ ..... बागमती, कमला, बलान, गण्डक आ खास क' क' कोसी तँ अपराजिता अछि ने। ककरहु सामर्थ्य नहि जे एकरा पराजित क' सकय। सरकार आओत ..... चलि जायत ..... मिनिस्टरी बनत आ टूटत—मुदा ई कोसी ..... ई बागमती ..... ई कमला आ बलान ..... अपन एही प्रलयंकारी गतिमे गामकें भसिअबैत, हरिअर-हरिअर खेतकें उज्जर करैत, माल-जालकें नाश करैत, घर द्वारक सत्यानाश करैत बहैत रहत आ बहैत रहत।''

(d) "केहन मुखश्री! केहन सरल निश्छल आँखि! हृदयक गूढ़तम भाग एहि आँखिक द्वारा देखि सकैत छी। मुदा ई सरलता, ई निश्छलता रहत कतेक दिन? एखन यौवनमे प्रवेश मात्र भ' रहल अछि। नव आशा अछि नव विश्वास। संसारक अनुभव वाँकी अछि तैं। आ, एकर बाद? नीक बरक अभाव, अतिशय मूल्य ..... कत' ई कान्ति, ई स्वर्गीय लावण्य। पीयर देह, आँखि धसल, मलिन मुखमण्डल .....।"

(e) पताल अइसन दुःप्रवेश· स्त्रीक चरित्र अइसन्दर्क्ष· कालिन्दीक कल्लोल अइसन मांसल· काजरक पर्व्वत अइसन निविल· पाप/क सहोदर अइसन· शरीर· आतङ्कक नगर अइसन भयानक· कुमन्त्र अइसन निष्फल· अज्ञान अइसन सम्मोहक· मन अइसन सर्व्वतोगामी· अहङ्कार। अइसन उन्नत· परद्रोह अइसन अभव्य· पाप अइसन मलिन· एवम्विध अति व्यापक· दुःसञ्चर· दृष्टिबन्धक· भयानक· गम्भीर· शूचीभेद्य· अन्धकार दे/षु·

6. (a) सामाजिक जीवन पर आधारित 'आम खयबाक मुँह' सरसताक दृष्टिएँ एक सफल कथा थिक—स्पष्ट करू। 20

(b) "जिबैत रहब पहिने जरूरी छैक संसारमे। तखन लोक लाज। नीक बेजाय।" एहि उक्तिक आलोकमे 'पृथ्वीपुत्र' उपन्यासक मूल्यांकन करू। 15

(c) "खट्टर कका स्वच्छन्द चिन्तन ओ बुद्धि विलासक प्रतीक थिकाह।" एहि कथनकेँ पल्लवित करू। 15

7. (a) "कवि राजकमलकेँ लोक बिसरि जाइत, मुदा कथाकार राजकमल मैथिली साहित्यक क्षेत्रमे अमर रहताह।" एहि कथन पर विचार करू। 20

(b) "मनमोहन झाक मैथिली कथाक शब्द-शब्दमे नवीनता ओ प्रयोगधर्मिताक झलक भेटैत अछि, जेहने भाव-वस्तुमे, तेहने अभिव्यक्ति शैलीमे।" एहि उक्तिक समीक्षा करू। 15

(c) 'वर्णरत्नाकर' मैथिलीक प्राचीनतम गद्य ग्रन्थ थिक—एकर ऐतिहासिक महत्त्वक विश्लेषण करू। 15

8. (a) "'लोरिक विजय' सामाजिक संघर्षक अभिलेख थिक।" एहि उक्तिक सार्थकता देखाउ। 20

(b) नाट्यतत्त्वक निकष पर 'भफाइत चाहक जिनगी' नाटकक मूल्यांकन करू। 15

(c) "करुण रसक स्रोत प्रवाहित करबामे कथाकार मनमोहन झाक अविस्मरणीय अवदान अछि"—प्रमाणित करू। 15

★ ★ ★

MAITHILI

PAPER—I

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

मैथिली

प्रश्न-पत्र–I

(साहित्य)

समय : 3 घंटा	पूर्णाङ्क : 250

प्रश्न-पत्र विषयक विशेष निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबाक पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकें सावधानीपूर्वक पढ़ि लियऽ

एतय दू खण्ड (Section) मे विभक्त कुल **आठ** प्रश्न अछि।

अभ्यर्थी कुल **पाँच** प्रश्नक उत्तर देथि।

प्रश्न संख्या **1** तथा प्रश्न संख्या **5** अनिवार्य अछि। शेष प्रश्नमेसँ **तीन** प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड (Section)सँ कम-सँ-कम **एक** प्रश्नक चयन आवश्यक अछि।

प्रश्न/खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि।

उत्तर मैथिलीमे लिखब अनिवार्य अछि।

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत। यदि काटल नहि गेल हो तँ अंशतः लिखित उत्तरोकें गणना कयल जायत। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकें अवश्य काटि दी।

SECTION—A

1. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग *150* शब्द धरि) : 10×5=50

(a) जॉर्ज अब्राहम ग्रिअर्सनक मैथिली व्याकरण

(b) भाषाक वर्गीकरणक आधार

(c) मैथिली भाषाक विविध रूप

(d) मैथिली क्रियाक भाव-भेद

(e) प्राकृत ओ मैथिलीक सम्बन्ध

2. *(a)* पूर्वाञ्चलीय भाषाक संग मैथिलीक सम्बन्ध पर प्रकाश दिअ। 20

(b) भारोपीय भाषा परिवारक सामान्य परिचय दिअ। 15

(c) तिरहुता लिपिक उद्भव ओ विकास पर प्रकाश दैत ओकर वर्त्तमान स्थितिक विवेचन करू। 15

3. *(a)* मध्यकालीय आर्यभाषाक परिचय दिअ। 20

(b) भाषाक पारिवारिक वर्गीकरणसँ परिचय कराउ। 15

(c) भाषाक विकासक प्रमुख कारक तत्त्वक विवेचन करू। 15

4. *(a)* मैथिली भाषाक विकासमे अवहट्ठक महत्त्वक मूल्यांकन करू। 20

(b) मिथिलाक्षरक महत्त्व एवं वर्त्तमान स्थिति पर प्रकाश दिअ। 15

(c) मैथिलीक क्रियापदक सन्दर्भमे सयुक्ति अपन मन्तव्य प्रतिपादित करू। 15

SECTION—B

5. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग *150* शब्द धरि) : 10×5=50

(a) चर्यापद मैथिलीक सम्पत्ति

(b) 'वर्णरत्नाकर'क महत्त्व

(c) लोकगीत

(d) 'सुन्दर संयोग' नाटक

(e) मिथिला मिहिर

6. (a) सिद्ध साहित्यक परिचय दैत एकर भाषागत वैशिष्ट्यक विश्लेषण करू। 20

(b) विद्यापतिक लोकप्रियता पर प्रकाश दिअ। 15

(c) गीतिनाट्यक उद्‌भव ओ विकास पर प्रकाश दिअ। 15

7. (a) आधुनिक मैथिली साहित्यक पृष्ठाधार पर प्रकाश दिअ। 20

(b) कवीश्वर चन्दा झाकेँ आधुनिक मैथिली साहित्यक जनक कहल जाइत अछि—सयुक्ति विवेचन करू। 15

(c) आधुनिक मैथिली साहित्यक विकासमे पत्र-पत्रिकाक महत्त्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश दिअ। 15

8. (a) मैथिलीक ऐतिहासिक उपन्यासक विकास-यात्रा पर प्रकाश दिअ। 20

(b) मैथिली समालोचना शास्त्रक विकास ओ वर्त्तमान स्थिति पर अपन मन्तव्य दिअ। 15

(c) आधुनिक मैथिली निबन्ध-साहित्यक विकास ओ परम्परा पर प्रकाश दिअ। 15

★★★

मैथिली / MAITHILI

पेपर II / Paper II

(साहित्य) / (LITERATURE)

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time Allowed : **Three** Hours

अधिकतम अंक : **250**
Maximum Marks : **250**

प्रश्न-पत्र स्पष्ट निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबाक पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लियऽ :

एतय दू **खण्ड (SECTION)** मे विभक्त कुल **आठ** प्रश्न अछि ।

अभ्यर्थी कुल **पाँच** प्रश्नक उत्तर देथि ।

प्रश्न संख्या **1** तथा प्रश्न संख्या **5** अनिवार्य अछि । शेष प्रश्नमेसें कोनो **तीन** प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड (SECTION) सें कमसें कम **एक** प्रश्नक चयन आवश्यक अछि ।

प्रश्न / खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि ।

उत्तर **मैथिली** (देवनागरी लिपि) मे लिखब अनिवार्य अछि ।

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि ।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत । यदि काटल नहि गेल हो तें अंशत: लिखित उत्तरोक गणना कयल जायत । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकेँ अवश्य काटि दी ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are ***EIGHT*** *questions divided in* ***TWO SECTIONS.***

Candidate has to attempt ***FIVE*** *questions in all.*

Questions no. ***1*** *and* ***5*** *are compulsory and out of the remaining, any* ***THREE*** *are to be attempted choosing at least* ***ONE*** *question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in ***MAITHILI*** *(Devanagari script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. **काव्य-वैशिष्ट्यकें निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य) :** *10×5=50*

(a) नव दूर्वादल श्यामल सुन्दर कंज-नयन रनवीर ।
वाम धनुर्धर दहिन निसित सर जलधि कोटि गम्भीर ।।
श्रीपद पादुक धर भरतानुज चामर छत्र निछोड़ि ।
शिव चतुरानन सनक सनन्दन शतमुख रहु कर जोड़ि ।। *10*

(b) जन्म कर्म गुण-प्रकृति निरखि, रुचि परखि पारखी विज्ञ ।
वर्गीकृत वर्णीक वरण जत करथि नित्य कृतविद्य ।।
जनम प्रथम गृहकुलमे पुनि गुरुकुलमे उद्‌गम अन्य ।
खनिज धातु मणि चढ़ि खराज पुनि मुकुटजड़ित हो धन्य ।। *10*

(c) अनिल अनलवम मलअज वीख ।
जे छल सीतल से भेल तीख ।।
चान्द सन्ताबए सविताहु जीनि ।
नहि जीवन एकमत भेल तीनि ।।
किछु उपचार न मानए आन ।
एहि बेआधि अथिक पचवान ।। *10*

(d) सुनि लक्ष्मी कहलनि बड़वेश ।
उचित विचार कयल प्राणेश ।।
लेल अयोध्या हरि अवतार ।
चारि अंशयुत राम उदार ।।
लक्ष्मी अयलीह मिथिला भूमि ।
ऋद्धि सिद्धि संग लयिलिह जूमि ।।
सभकाँ कयल सुखी आरोग्य ।
सम्प्रति भेलिह विवाहक योग्य ।। *10*

(e) सम्मिलित स्वेच्छा प्रणोदित जयति जय जनशक्ति !
हृदयमे अछि एक केवल तोहरेटा भक्ति ।।
आन देवी देवता दिश नहि नवइ अछि माथ
आइ नहितँ काल्हि दानवदलक कखह अवस्से उच्छेद
कृषक श्रमिकक जीवनोकेँ बनबिहह पुनि वेद
लैत प्राचीनक सगुण सद्ज्ञान
लोकहितमे लगविहह अपना युगक विज्ञान 10

Q2. (a) "चित्रा"मे प्राचीन-मध्य ओ आधुनिकक्कालीन मिथिलाकेँ सामाजिक जीवनक सम्यक् वर्णन भेल अछि – विश्लेषण करू । 20

(b) "समकालीन मैथिली कविता"क आधार पर कविवर आरसी प्रसाद सिंहक काव्य-वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ । 15

(c) "कविवर लालदास अपन रामायणमे विस्तृत मंगलाचरणमे पराप्रकृति सीता एवं परमपुरुष रामक स्मरण कयलनि अछि" – युक्तियुक्त विवेचन करू । 15

Q3. (a) "मिथिला भाषा रामायण"क 'सुन्दरकाण्ड'मे वर्णित घटनाक्रम अपेक्षाकृत अधिक सारगर्भित आ प्रसंगानुकूल भेल अछि" – एहि कथनक समीक्षा करू । 20

(b) "कृष्णजन्म प्रबन्ध-काव्यक रचनामे मनबोधकेँ मैथिली साहित्यक इतिहासमे महत्त्वपूर्ण स्थानक अधिकारी बना देने अछि" – एहि उक्ति पर विचार करू । 15

(c) "कीचक-बध" काव्यस्वरूप ओ रचनाशैलीमे भिन्न रहितहुँ प्राच्य एवं पाश्चात्य-दुनू ठाम समान भावधाराक सम्वाहक अछि – प्रमाणित करू । 15

Q4. (a) "गोविन्ददास भजनावली"क गीत सर्वथा भक्तिमूलक प्रतीत होइत अछि ओ श्रृंगार एहिमे आवरणक काज करैत अछि" – पठित अंशक आधार पर अपन विचार व्यक्त करू । 20

(b) विद्यापतिक गीतसभमे श्रृंगारक बहुविध चित्र प्रस्तुत भेल अछि – पठित अंशक आधार पर एहि उक्तिकेँ पल्लवित करू । 15

(c) "दत्तवती" महाकाव्यमे भारतीय सामाजिक चिंतन, राष्ट्रीय चेतना ओ सांस्कृतिक गरिमाक व्यापक चित्रण भेल अछि – स्पष्ट करू । 15

SECTION B

Q5. **निम्नलिखित कथ्यक अभिव्यंजनागत वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट करैत सन्दर्भ-सहित व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य ।** *10×5=50*

(a) भाइ, हम-अहाँ ओहि नजरिये देखबाक अभ्यस्त भ' गेल छी । आइ समस्त मध्यमवर्गीय बुद्धिजीवीक इएह हाल छै । कमायवला एक गोट, खायवला दस । इएह 'पैरासिटिज्म' हमरा लोकनिक एहि दलित अवस्थाक कारण अछि । हजार कच्छें हमरासँ नीक एखन अहाँक श्रमजीवी अछि । से नै, अपने डेरामे जे दाइ काज करै अछि तकरे देखियौ, तीनू सासु-पुतोहु तीन डेराक काज धयने अछि .... तीस टाका महीना आ तीन थारी भात नित्त । *10*

(b) भेद रसगुल्ला ओ लड्डूमे छैक । रसगुल्ला सरस ओ कोमल होइछ, लड्डू शुष्क ओ कठोर । रसगुल्ला पूर्वक प्रतीक थीक लड्डू पश्चिमक । तेँ हम कहैत छियौह जे ककरो जातीय चरित्र देखबाक-बुझबाक हो त ओकर प्रधान मधुर देखी । *10*

(c) सोझाँमे ठाढ़ि स्त्री-छायाकेँ देखि क' घृणा होइत अछि । घृणा होइत अछि, क्रोध होइत अछि, सिनेह होइत अछि, दया होइत अछि, करुणा, वेदना, ग्लानि, परिताप, चिन्ता सभ किछु होइत अछि । अनिमेष दृष्टिसँ हमरा दिस, हम्मर चश्माक लाइब्रेरी फ्रेम दिस, रेशमी चद्दरि दिस, फिन-ले कम्पनीक धोआ धोती दिस आ हम्मर आँखिमे भरल आश्चर्य दिस तकैत स्त्री-छाया त' सत्ते छाया-मात्र छथि, स्त्री नहि छथि । *10*

(d) एक बेर उन्नैस बरखक अपन बेटीकेँ देखय जे वयसक बाढ़िमे भरल-उमड़ल परमान धारसन लगैक । फेर टोल पड़ोसक स्त्रीगणक आँखि दिस ताकय जकर आँखिमे व्यंग्य रहैक, उत्सुकता रहैक, निष्क्रिय दर्शकक क्रूरता रहैक । मने मन पजरि रहि जाय । ने धूआँ होइक ने धधरा । एहन दिन भेलै छँउड़ीकेँ । केहन भरल-पुरल सासुर छैक । *10*

(e) ओकरा दुनू हाथमे हथकड़ी आ' दूनू पएरमे बेड़ी जकड़ल रहैत छलैक । दूनू आँखि पर पट्टी बान्हल रहैत छलैक । दूनू कानमे बरकल सीसा ढारिकड ओकरा बन्न कए देल गेल छलैक । केवल भोजन कालमे ओकरा आँखिक पट्टी आ' एक हाथक बेड़ी खोलल जाइक । बड़े यंत्रणामे ओकर कारा जीवन बीति रहल छलइ । *10*

Q6. (a) "घरदेखिया" कथा मिथिलाक ग्रामीण समाजक वर्ग-विशेषक यथार्थसँ साक्षात्कार करबैत अछि – स्पष्ट करू । *20*

(b) "खट्टर काकाक तरंग" मे हरिमोहन झा उनटे गंगा बहा देने छथि – एहि उक्तिक आलोकमे एकर विशेषता देखाउ । *15*

(c) "पृथ्वीपुत्र" उपन्यासमे निम्नवर्गक जीवन एवं ओकर सामाजिक एवं आर्थिक संघर्षकेँ व्यापक रूपेँ व्यक्त कएल गेल अछि" – एहि उक्तिक समीक्षा करू । *15*

Q7. (a) " 'वर्णरत्नाकर'मे उत्तम काव्यक वर्णन – चमत्कार, कल्पनाक सूक्ष्मता, चित्रणक रसमयता एवं उक्तिक सामर्थ्यक प्रदर्शन अछि" – द्वितीय कल्लोलक आलोकमे एहि कथनकेँ स्पष्ट करू । *20*

(b) राजकमलक कथामे हुनक चारित्रिक वैशिष्ट्य कोनहु ने कोनहु रूपमे अवश्य भेटत – एहि कथन पर विचार करू । *15*

(c) "पाँच पत्र" कथा पति-पत्नीक राग-वृत्ति काल-चक्र द्वारा जीवनक दशा-दिशाक बोध करबैत अछि – एहि उक्तिक आलोकमे एहि कथाक मार्मिकता देखाउ । *15*

Q8. (a) " 'मफाइत चाहक जिनगी' आदर्शवादी शिक्षित बेरोजगार नवयुवकक संघर्षपूर्ण जीवन-गाथा अछि" – स्पष्ट करू । *20*

(b) लोकगाथात्मक ऐतिहासिक उपन्यास "लोरिक विजय"मे चरित-नायकक चारित्रिक विशेषताक निदर्शन भेल अछि – युक्तियुक्त पल्लवित करू । *15*

(c) मणिपद्मक "वालगोविन" कथाक मार्मिकता पर प्रकाश दिअ । *15*

मैथिली

प्रश्न-पत्र–I

(साहित्य)

समय : 3 घंटा	पूर्णाङ्क : 250

प्रश्न-पत्र विषयक विशेष निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबाक पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लियऽ

एतय दू खण्ड (Section)मे विभक्त कुल **आठ** प्रश्न अछि।

अभ्यर्थी कुल **पाँच** प्रश्नक उत्तर देथि।

प्रश्न संख्या **1** तथा प्रश्न संख्या **5** अनिवार्य अछि। शेष प्रश्नमेसँ **तीन** प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड (Section)सँ कम-सँ-कम **एक** प्रश्नक चयन आवश्यक अछि।

प्रश्न/खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि।

उत्तर मैथिलीमे लिखब अनिवार्य अछि।

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत। यदि काटल नहि गेल हो तँ अंशतः लिखित उत्तरोकेँ गणना कयल जायत। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकेँ अवश्य काटि दी।

MAITHILI

PAPER—I

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION—A

1. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग *150* शब्द धरि) : 10×5=50

(a) लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया

(b) 'प्रयत्नलाघव'क विलक्षणता

(c) मैथिली ओ बांग्लाक पारस्परिक सम्बन्ध

(d) मैथिली भाषाक प्रमुख बोली

(e) राजेश्वर झाक भाषा-वैज्ञानिक कृति

2. (a) भाषोत्पत्तिक प्रमुख सिद्धान्तक विवेचन करू। 20

(b) मैथिली ओ असमिया भाषाक सम्बन्धक विवेचन करू। 15

(c) अर्धमागधीक महत्त्व पर प्रकाश दिअ। 15

3. (a) भाषाक आकृतिमूलक वर्गीकरण एवं ओकर विशेषताक मूल्यांकन करू। 20

(b) मागधीक विकासक्रमक समीक्षा करू। 15

(c) बोलीकें भाषा बनबाक प्रक्रिया पर प्रकाश दिअ। 15

4. (a) प्राचीन भारतीय आर्यभाषा ओ मैथिलीक सम्बन्धक विवेचन करू। 20

(b) मैथिली भाषा-विज्ञानक क्षेत्रमे सुभद्र झाक योगदानक समीक्षा करू। 15

(c) व्याकरणक दृष्टिसँ मैथिली भाषाक विशेषताक मूल्यांकन करू। 15

SECTION—B

5. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग *150* शब्द धरि) : 10×5=50

(a) प्राक् मैथिली साहित्य

(b) लोचन

(c) रामविजय

(d) लोकनाट्य

(e) मिथिलामोद

6. *(a)* मैथिली साहित्यक काल-विभाजनक प्रसंग विद्वानलोकनिक प्रमुख मतक समीक्षा करू। 20

(b) मध्यकालीन मैथिली नाटकक विकासमे 'कीर्त्तनिआ' नाटकक महत्त्व प्रतिपादित करू। 15

(c) मैथिलीक लोकगाथात्मक उपन्यास पर प्रकाश दिअ। 15

7. *(a)* विद्यापतिक व्यापक प्रभावक मुख्य कारण अछि हुनक बहुमुखी प्रतिभा—युक्तियुक्त प्रतिपादन करू। 20

(b) हरिमोहन झाक 'जीवन-यात्रा' मार्मिक संस्मरण प्रस्तुत करैत अछि—सयुक्ति विवेचन करू। 15

(c) मैथिली लघुकथाक मुख्य प्रवृत्ति पर प्रकाश दिअ। 15

8. *(a)* आधुनिक मैथिली कविताक पृष्ठभूमिक विवेचन करू। 20

(b) आधुनिक मैथिली नाटकक जनक जीवन झाकेँ कहल जाइत अछि—सयुक्ति विवेचन करू। 15

(c) मैथिली नाट्य साहित्यक संक्षिप्त परिचय दिअ। 15

★★★

मैथिली / MAITHILI

पेपर II / Paper II

साहित्य / LITERATURE

निर्धारित समय : तीन घंटे *Time Allowed : **Three** Hours*	*अधिकतम अंक : **250*** *Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र स्पष्ट निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबाक पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लियऽ :

*एतय दू **खण्ड (SECTION)** मे विभक्त कुल **आठ** प्रश्न अछि ।*

*अभ्यर्थी कुल **पाँच** प्रश्नक उत्तर देथि ।*

*प्रश्न संख्या **1** तथा प्रश्न संख्या **5** अनिवार्य अछि । शेष प्रश्नमेसँ कोनो **तीन** प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड **(SECTION)** सँ कमसँ कम **एक** प्रश्नक चयन आवश्यक अछि ।*

प्रश्न / खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि ।

*उत्तर **मैथिली** (देवनागरी लिपि) मे लिखब अनिवार्य अछि ।*

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि ।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत । यदि काटल नहि गेल हो तँ अंशत: लिखित उत्तरक गणना सेहो कयल जायत । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकेँ अवश्य काटि दी ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.***

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

*Answers must be written in **MAITHILI** (Devanagari script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य अछि । काव्य-वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य) *10×5=50*

(a) काजर-तिमिर-भरमे जसु तन-रुचि, निबसय कुंज-कुटीर ।
बंसि-निसास मधुर विष उगिरए, गति अति कुटिल सुधीर ।।
सजनी, कान्ह से बरजु भुजङ्ग ।
से मोर हृदय-चन्दन-रुह लागल भागल धरम-विहङ्ग ।।
लोचन-कोर पडैते नव नागरि रहए न पारए धीर ।
कुंचित अरून अधर भरि पीबए कुलवति-बरत-समीर ।। *10*

(b) अगमने प्रेम गमने कुल जाएत
चिन्ता पङ्क लागलि करिणी
मञे अबला दह दिस ममि झाखञो
जनिव्याध डरे भीरु हरिणी ।।
चन्दा दुरजन गमन विरोधक
उगल गगन भरि बैरि मोरा ।।
कुहु भरमे पथ पद आरोपल
आए तुलाएल पञ्चदशी । *10*

(c) देखि ककरहु पंकमग्न, सकीतँ उबारि दिऔ
कूपमे खसइतकेँ अपन बाँहि पकड़ाए दिऔ,
किन्तु कए काज ई बिसरि जाउ, बिसरि जाउ,
स्मृतिसँ मेटाए लिअ;
अन्यथा होएत तीव्र अनुताप ।
गिरह बान्हि राखू, जे एतादृश लगानी करब
सूदिक कथा कोन मूरहुसँ हाथ धोउ । *10*

(d) कविक कर्म थिक शशिकर-शीकर रसिक चकोरक प्राण ।
दोषाकर बुझि मुद्रित दृग से पंकज स्वयं न आन ।।
कविक कर्म थिक दिनकर किरणे जगतक दृग-आलोक ।
आतप वारण करथि छत्र धर अपनहि छाँयालोक ।।
स्वातिक विन्दु पड़य शुक्तिक मुख मुक्ता झलकय अंग ।
फणिक वदन कण पड़इछ, भरइछ दुर्वह गरल तरंग ।। *10*

(e) झमाझम बरसैत मूसलधार,
    माघक ठार, चैतक तस;
सभ फूसि ओकरा हेतु ।
लगाबथु ग केओ कतेकों जोर
बाप पित्तीकेँ करथु ग सोर
मुदा रोइयाँ एकोटा ओकर
उपाड़ल नहि हेतन्हि ककरो बुतें । 10

Q2. (a) लालदासक रमेश्वरचरित मिथिला रामायणक बालकाण्डमे मिथिलाक विलक्षण संस्कृतिक मार्मिक चित्रण भेल अछि — युक्तियुक्त प्रतिपादन करू । 20

(b) "एहि प्रबुद्धयुगमे कोन प्रकारक कवि चाही ? एहि प्रश्नक उत्तर यात्रीक चित्रामे संकलित कवितासभ दैत अछि" — एहि कथनक समीक्षा करू । 15

(c) मैथिलीक नव्यतम काव्य-चेतनाक कवि लोकनिक कविताक संग्रह 'समकालीन मैथिली कविता'मे कयल गेल अछि — सयुक्ति विवेचन करू । 15

Q3. (a) "मैथिलीमे नव काव्य-परम्पराक प्रवर्त्तक मनबोध कृष्णाजन्ममे सर्वत्र ठेठ शब्दक ठाठ बान्हि लोकोक्ति समक सटीक प्रयोग कय भाव एवं भाषा दुनूकेँ अत्यन्त हृदयग्राही एवं प्रभावपूर्ण बना देने छथि" — एहि उक्ति पर विचार करू । 20

(b) 'मिथिला भाषा रामायण'मे सुन्दरकाण्डक नामकरण पर विचार करैत कवीश्वर चन्दा झाक वर्णन-कौशल पर प्रकाश दिअ । 15

(c) " 'कीचक बध'मे प्राच्य एवं पाश्चात्य शैलीक मर्मस्पर्शी समन्वय भेल अछि" — एहि तर्कक मूल्यांकन करू । 15

Q4. (a) "भावक कोमलता, शब्दक लालित्य, लय एवं तुकक कौशल, स्वरक माधुर्य एवं बिम्बक चमत्कार विद्यापति पदावलीक मुख्य विशेषता अछि" — पठित अंशक आधार पर एहि कथनक समीक्षा करू । 20

(b) "पदकेँ ललित श्रुतिमधुर, अर्थानुग्राही एवं समतासंयुक्त बनएबामे यदि शब्दकेँ तोड़हु पड़लैन्हि, ओकर स्वरूप विकृतो करए पडलैन्हि तथा अपन हृद्यक भाव झाँपलो भए गेलैन्हि तथापि गोविन्ददास अर्थक प्रसादक हेतु शब्दविन्यास नहि दूरि कएलन्हि" — एहि उक्तिक आलोकमे पठित अंशक आधार पर गोविन्ददासक काव्य-प्रतिभाक विवेचन करू । 15

(c) 'दत्तवती'क द्वितीय सर्गमे वर्णित गुरुकुलक शिक्षण-व्यवस्था एवं आकर्षक वातावरण विश्वशान्तिक अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूपक चित्र प्रस्तुत करैत अछि — सयुक्ति प्रतिपादन करू । 15

SECTION B

Q5. **निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य)** *10×5=50*

(a) सरिपहुँ... बागमती, कमला, बलान, गण्डक आ खास क'क' कोसीतँ अपराजिता अछि ने ! ककरहु सामर्थ नहि जे एकरा पराजित क' सकय । सरकार आओत... चलि जायत... मिनिस्टरी बनत आ टूटत-मुदा ई कोसी... ई बागमती... ई कमला आ बलान... अपन एही प्रलयंकारीगतिमे गामकेँ भसिअवैत, हरिअर-हरिअर खेतकेँ उज्जर करैत, माल-जालकेँ नाश करैत, घर-द्वारक सत्यानाश करैत बहैत रहत आ बहैत रहत । *10*

(b) कोन काज हमरा बुतेँ हयत ? भीख माङब ? भिखमंगोकेँ तँ लोक झझकारिते छै । अहलादि कड बैसबै कहाँ छै । आ भीख की दै छै तँ एकटा पाइ । एक मुट्ठी अन्न ! ई कने बजैएतँ भरि पेट आगरह कड कड खुअबैए । कतेने सिनेह करैए । बीस गोटेक द्वारि घूमब । बीस गोटेक बात सुनब, तँ बीसटा पाइ होयत । घूरि जाइ सेहे नीक । मुदा जँ मौगी देखि लिए ई काँख महँक मोटरी ? *10*

(c) घामक टघार कपारसँ नाकक नोक दड चुबै ! भरल-चढल छाती पर घाम टघरि-टघरि चापत पेट पर बहि डाँडक धोतीमे सुखैल चलि जाइक । मोन एकदम महुरा गेल रहैक । मुँह लाल-स्याह मुदा आँखि ओहिना निश्चल आ स्थिर रहैक । जतेक गैद तबतैक, जतेक घाममे नहाजायत, जतेक मोन माहुर हेतइ, ततेक आर मस्त भय हडर जोतत । अपन घामओ गैदक माहुरमे मगन भय टिटकारलक छोट-छोट बड़दक जोरीकेँ । *10*

(d) सैह काल त हमरा सभक काल भउ गेल । आइ मासान्त, काल्हि संक्रान्ति, परसू भदवा । एकटा टाट बान्हक हो त नौ दिन पतड़ा देखैत बैसल रहू । औ, संसारक और कोनो देश भदवा मानैत अछि ? भद्रा महारानीमे वास्तविक सामर्थ्य छैन्ह त ओकरासभकेँ किऐक नहिं धरैत छथिन्ह ? पृथ्वी पर और-और लोककेँ दिक्शूल किऐक नहि लगैत छैक ? यूरोप, अमेरिका बलाकेँ अधपहरा किऐक नहि घरैत छैक ? सभसँ बुड़िबक दीनानाथ हमरे लोकनि छी ? *10*

(e) सुकर्म आ अपकर्म ककरा कहै छै से बुझबाक बुद्धि जँ अहाँमे रहैत तँ आइ अहाँकेँ हमरासँ वा हमर ऐ स्टालसँ घृणा नै होइत । एके टोकारा पर अहाँ लगले हमरा लग दौडल अबितौं... पुछितौं जे हमर व्यवसाय घाटामे चलि रहल अछि कि नफामे । अहाँ से कयलौं नै आ तेँ हम कहब जे अहाँ ने केवल समाजक, ने केवल आश्रमक वा परिवारक, अपितु अहाँ अपनो लेल भारेटा छी । *10*

Q6. (a) खट्टर ककाक विनोदपूर्ण विचार-लहरी मिथिलाक संस्कृति ओ पुरातन सभ्यता पर मार्मिक व्यंग्यक प्रहार कयने अछि — एहि कथन पर विचार करू । 20

(b) 'लोरिक विजय' उपन्यासक कथावस्तुक मार्मिकता पर प्रकाश दिअ । 15

(c) 'पृथ्वीपुत्र' उपन्यासमे जीवनक ओ चित्र उतरल अछि जे सत्य पर आधारित अछि — एहि उक्तिक समीक्षा करू । 15

Q7. (a) मैथिली गद्यक विकासमे 'वर्णरत्नाकर'क स्थान निरूपित करैत ओकर नामकरण पर विचार करू । 20

(b) कोनो कथाक संगति-विसंगति कथाक नहि, ओहि समाजक रहैछ जाहिमे ओ कथाकार रहैत अछि — 'कृति राजकमलक'मे पठित प्रथम दस कथाक आधार पर एहि उक्तिक समीक्षा करू । 15

(c) आधुनिक मैथिली कथामे वर्त्तमान समाजक चित्र अंकित रहैत अछि — 'कथासंग्रह'मे पठित कथाक आधार पर एहि कथनक औचित्य पर प्रकाश दिअ । 15

Q8. (a) मैथिलीमे लोकगाथात्मक उपन्यासक क्षेत्रमे मणिपद्मक 'लोरिक विजय'क महत्त्व निरूपित करू । 20

(b) "जखन बैसल बेटा मायो-बापकेँ नै सोहाइत छैक, आन किए ककरो गरा लगोतैक ।" — भफाइत चाहक जिनगी'मे महेशक एहि उक्तिमे सन्निहित व्यंग्यक समीक्षा करू । 15

(c) 'वर्णरत्नाकर'क वर्णनक चमत्कार पर प्रकाश दिअ । 15

मैथिली

प्रश्न-पत्र–I

(साहित्य)

समय : तीन घंटा	पूर्णाङ्क : 250

प्रश्न-पत्र विषयक विशेष निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबाक पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकें सावधानीपूर्वक पढ़ि लियऽ

एतय दू खण्ड (Section)मे विभक्त कुल आठ प्रश्न अछि।

अभ्यर्थी कुल **पाँच** प्रश्नक उत्तर देथि।

प्रश्न संख्या **1** तथा प्रश्न संख्या **5** अनिवार्य अछि। शेष प्रश्नमेसँ **तीन** प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड (Section)सँ कम-सँ-कम **एक** प्रश्नक चयन आवश्यक अछि।

प्रश्न/खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि।

उत्तर **मैथिलीमे** लिखब अनिवार्य अछि।

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत। यदि काटल नहि गेल हो, तँ अंशतः लिखित उत्तरोकें गणना कयल जायत। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकें अवश्य काटि दी।

MAITHILI

PAPER—I

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION—A

1. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग 150 शब्द धरि) : 10×5=50

   (a) फॉरमेशन ऑफ मैथिली लैंग्वेज

   (b) 'अर्थ-संकोच'क प्रकृति

   (c) मैथिली एवं उड़ियाक पारस्परिक सम्बन्ध

   (d) मागधी प्राकृत

   (e) मिथिलाक्षरक महत्व

2. (a) भाषाक परिवर्तनशीलता पर विचार करू। 20

   (b) भारोपीय भाषा-परिवारक परिचय दिअ। 15

   (c) मैथिली सर्वनामक व्यापकता ओ वैशिष्ट्यक उल्लेख करू। 15

3. (a) भाषाक पारिवारिक वर्गीकरण ओ ओकर वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ। 20

   (b) मैथिलीक कोनो पाँच गोट बोलीक उदाहरण-सहित परिचय दिअ। 15

   (c) मैथिली भाषाक वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ। 15

4. (a) मैथिली भाषाक क्षेत्रमे डॉ० ग्रियर्सनक की अवदान अछि, विवेचन करू। 20

   (b) मैथिली व्याकरणक समृद्धिक दिशामे पण्डित गोविन्द झाक योगदानक मूल्यांकन करू। 15

   (c) भाषा-विज्ञानक ज्ञानक अन्य शास्त्रसँ सम्बन्ध स्थापित करू। 15

SECTION—B

5. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग 150 शब्द धरि) : 10×5=50

   (a) वर्णरत्नाकर

   (b) शंकरदेव

   (c) वैदेही

   (d) जट-जटिन

   (e) डाक-वचनावली

6. *(a)* मैथिली साहित्यक आदिकालक उपलब्ध सामग्रीसँ परिचय कराउ। 20

(b) आसामक 'अंकीयानाट' पर प्रकाश दिअ। 15

(c) मैथिली लोकसाहित्यमे ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क योगदान पर विचार प्रस्तुत करू। 15

7. *(a)* ''विद्यापतिक प्रभाव मिथिलेधरि सीमित नहि रहल''—एहि उक्तिकेँ पल्लवित करू। 20

(b) मनमोहन झा 'करुण रस'क उद्‌गाता छलाह, प्रतिपादन करू। 15

(c) आधुनिक मैथिली उपन्यासक स्थिति पर प्रकाश दिअ। 15

8. *(a)* महाकाव्यक निकष पर मनबोधक 'कृष्णजन्म'क मूल्यांकन करू। 20

(b) 'सुंदर-संयोग' नाटकक वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ। 15

(c) मैथिलीमे पत्र-पत्रिकाक स्थितिक विवेचन करू। 15

★ ★ ★

मैथिली / MAITHILI

पेपर II / Paper II

साहित्य / LITERATURE

निर्धारित समय : तीन घंटे Time Allowed : **Three Hours**	अधिकतम अंक : **250** Maximum Marks : **250**

प्रश्न-पत्र स्पष्ट निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबासँ पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लिअ :

एतय दू ***खण्ड (SECTION)*** *मे विभक्त कुल* ***आठ*** *प्रश्न अछि ।*

अभ्यर्थी कुल ***पाँच*** *प्रश्नक उत्तर देथि ।*

प्रश्न संख्या ***1*** *तथा प्रश्न संख्या* ***5*** *अनिवार्य अछि । शेष प्रश्नमेसँ कोनो* ***तीन*** *प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक* ***खण्ड (SECTION)*** *सँ कमसँ कम* ***एक*** *प्रश्नक चयन आवश्यक अछि ।*

प्रश्न / खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि ।

उत्तर ***मैथिली*** *(देवनागरी लिपि) मे लिखब अनिवार्य अछि ।*

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि ।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत । यदि काटल नहि गेल हो तँ अंशतः लिखित उत्तरक गणना सेहो कयल जायत । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकँ अवश्य काटि दी ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are ***EIGHT*** *questions divided in* ***TWO SECTIONS.***

Candidate has to attempt ***FIVE*** *questions in all.*

Questions no. ***1*** *and* ***5*** *are compulsory and out of the remaining, any* ***THREE*** *are to be attempted choosing at least* ***ONE*** *question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in ***MAITHILI*** *(Devanagari script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. **प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य अछि। काव्य-वैशिष्टयकें निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए। (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य)** *10×5=50*

(a) बाग्मति – कमला कोसिक धारा
जा धरि पृथिवी सागर जा धरि
जीवित रहब अहाँ तहिआ धरि
काए – बचनसँ अथवा मनसँ
हिंसा कएल न कोनो जीवक
कोटिक कोटि मनुक्खक हित लए
जिनगी अपन बिताओल गरीबक
दुख ककरो नहि देल कनेको
अपने विपति उठाओल अनेको
जिवितहिँ परसल कीर्ति भुवन भरि
तेना बहाओल शान्तिक सुरसरि। *10*

(b) चाँद सार लए मुख घटना करू
लोचन चकित चकोरे।
अमिय धोए आँचरे जनि पोछल
दह दिस भेल उजोरे।।
कामिनि कोने गढ़ली।
रूप सरूप मोहि कहइते असम्भव
लोचन लागि रहली।।
गुरू नितम्ब भरे चले न पारए
माझ खीनिम निमाइ।
भांगि जाइति मनसिजे धरि राखलि
त्रिबलि लता अरुझाइ।। *10*

(c) गान विशद जानथि लयताल। कंठ मधुर स्वर सुखद विशाल।।
बालमिकी मुनि शिक्षा देल। रामचरित कंठे कय लेल।।
जखन करथि रामायण गान। वशीकरण सन मंत्र प्रमाण।।
सुनि सभजन हो प्रेम अधीन। मृगगण यथा विवश सुनि बीन।।
पुलकित तन सुख हो नहि थोर। हृदय हरष दृग बरखय नोर।।
मुनिगण जप तप देलनि त्यागि। रामचरित सुनि भेला विरागि।। *10*

(d) गुरूजन सरुचि समापि सकल अविकल जत शिक्षा ।
ग्रन्थ-ग्रन्थि पुनि क्रिया-पन्थ, मुख-लेख परीक्षा ।।
ज्ञान चरित सन्धान दक्षता सभक समीक्षा ।
देखि सकल स्नातककेँ देलन्हि जीवन दीक्षा ।।
सत्य ध्येय, शिव समाधेय, सौन्दर्य साधना ।
जीवन काव्यादर्श प्रकृत रस गुण उपासना ।।
साध्य-साधनक पावनता तन-मनक प्रवणता ।
सत्य तथा श्रमसँ सभ अर्थक सिद्ध सफलता ।। 10

(e) जूड़क-चूड़ मयूर-शिखण्डक, मंडित मालति-माले ।
सौरभ उनमत भ्रमरि भ्रमर कत चौदिशि करत झंकारे ।।
सजनि के कह काम अनङ्ग ।
केलि कदम्बतर से रति-नागर पेखल नटवर-भंग ।।
कतहु विषमशर नयन-तूण भर संचर भौंह कमान ।
नागरि-नारि मरम मह हानए लखएन पारए आन ।। 10

Q2. (a) सामाजिक विषमता आ तकरा सँ उत्पन्न स्थितिक कुरूपता सहज आ सरल उपस्थापन यात्रीक कवितामे अनायासे देखल जा सकैछ — चित्राक आधार पर एहि उत्तिक प्रतिपादन करू । 20

(b) "समकालीन मैथिली कविता"क आधार पर कविवर मायानन्द मिश्रक काव्य-वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ । 15

(c) राम-सीता सहित अयोध्या प्रस्थान एवं बालकाण्डक महिमा कथन कए लालदास एहि काण्डक समापन कएने छथि — रमेश्वर चरित मिथिला रामायणक आधार पर सयुक्ति विवेचन करू । 15

Q3. (a) "कीचक-वध" मे कवि वर्णनक प्रति विशेष मात्सर्य नहि देखा भावनात्मक क्रमबद्ध सुनियोजित एवं चारित्रिक विकास दिस अधिक उन्मुख भेल छथि — एहि उक्ति पर विचार करू । 20

(b) मनबोधक "कृष्णजन्म" अपन वर्णन-वैभव हेतु मैथिल-संस्कृतिक उन्मुक्त दस्तावेज थिक' — विवेचन करू । 15

(c) "मिथिला भाषा रामायण"क सुन्दर काण्ड मे वर्णित हनुमानक साहस आ पराक्रमक सजीव चित्रण करू । 15

Q4. (a) "गोविन्ददास भजनावली"क सामग्री शृंगारक अछि परन्तु अपनाकेँ अलौकिक प्रणय-लीलाक साक्षी मानि गोविन्ददास अपन भक्त हृदयक परिचय दैत छथि' — एहि उक्तिक आलोकमे गोविन्ददासक भक्ति-भावनासँ परिचय कराउ । 20

(b) 'विद्यापति जनसाहित्यक निर्माण कएल, मानव हृदयक मूलभूत वासनाकेँ, नैसर्गिक भाव ओ भावावेशकेँ अत्यन्त सूक्ष्मतासँ यथावत चित्रण कएल' — पठित अंशक आधार पर उपर्युक्त कथनक समीक्षा करू । 15

(c) "दत्त-वती" सुरेन्द्र झा 'सुमन'क जीवन-जगत ओ संस्कृति-दर्शन-सम्बन्धी विचारधाराक कवित्वमय आकर-ग्रन्थ थिक — सयुक्ति प्रतिपादन करू । 15

SECTION B

Q5. निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य) *10×5=50*

(a) आ सभसँ अन्तिम दृश्य छल लस्सा लागल कमचीमे फसल चिड़ैक, जे छटपट करैत छल, अहुरिया कटैत छल, मुदा ओहि फाँससँ छुटबाक कोनोटा रास्ता ओकरा सुझाइ नहि दैत छलैक । ओ जतेक छटपटा रहल छल, जतेक कूदि फानि रहल छल ततेक ओकर पाँखिसभ औरो फँसले जाइत छलैक, लभझायले जाइत छलैक । ओहि घड़ी ओकराने प्रियाक सौन्दर्य सोहाइ, ने किछु । हड़िघड़ी ओकरा अन्तरसँ आकुल-क्रन्दन उठैक, धू-धू करैत जकर भाफ अश्रुक रूपमे आँखिक मार्गसँ बहि रहल छलैक, ओकर अतीतक अकर्मण्यतारूपी पापकेँ बहाक दूर ल' जयबाक हेतु । पश्चात्तापक धधकैत आगिमे अतीतक संचित विकार जरिक' सुड्डाह नहिभ' जाइत छैक की ...... । *10*

(b) कन्दलित तारुण्य. अपगत बाल्य. उद्भूत अभिलाष. अपगति लज्जा. जागरुक भाव. अङ्कुरित. एवम्विध नायिका. कुण्डल दुइ रत्नमण्डित त(क)रा कान कइसन देषु. जनि कामदेवकाँ रथँ चक्रदुइ जालल अछ. सोनाक डोरँ मध्यभाग वाँधल कइसन देषु. जनि सौन्दर्यक तुलापुरुष काछल बाँन्धल अछ. *10*

(c) ओ छथि पुरान लोक .... पुरान मान्यतामे जिनिहार । ओ नोकरीकेँ प्रतिष्ठाक काज बुझैत छथि आ बनियाक काजकेँ नीच कर्म मानै छथि । हुनकर मान्यता पर हम किए आघात करियनि । हम जाहि संसारमे जीवि रहल छी, अपन अस्तित्वक लेल जेहन संघर्ष हमरा लोकनिकेँ करड पड़ि रहल अछि ताहिसँ ओ अपरिचित छथि । ओ अपन संसारमे रहथु, हम अपन संसारक आगिसँ हुनका किए झरकबियनु । *10*

(d) पूर्णिमाक ओइ ज्योत्स्नामय सांझमे, कमलाक धार किछु दूर पर ओ लोकनि, एकटा कारी टिलहा केँ, भसिआइत चल अबैत देखलथिन्ह । हुनका लोकनिकेँ छगुनता लागि गेलन्हि जेई पाथरक टिलहा कोना भसिआइत आबि रहल छैक । तखनहि, रंग-विरंगक वस्त्राभूषणसँ सुसज्जित नारी दल झमझम-खमखम करैत बरियाती बलासँ गुआ-पान मांगए लेल अषाढ़क घटा जकाँ उमड़ि आएल । एक सँ एक कठमस्त छलि ओ सभ । ओकरा सभहिक शरीर अपना-अपना साड़ीमे अंटियो नहि रहल छलैक । *10*

(e) लोक कहैत अछि, पृथ्वी पर जतेक पाप होइत अछि, सभक एकमात्र कारण थिक इऐह वस्तु – उत्सुकता ! उत्सुकता, पाप आ अपराध दुनू वस्तुक जननी ! .... हम सभ कोनो वस्तुक प्रति, ओकरा प्राप्त करबाक लेल ओहि वस्तुक सम्पूर्ण व्यक्तित्व कैं अपन बाँहिमे, अपन वक्षमे, अपन अनामा आँगुरमे सोनाक अनन्त जकाँ, नीलमणि औँठी जकाँ पहिरि लेबाक लेल उत्सुक होइत छी आ उताहुल होइत छी । आ तकरा बाद हमरा सभक जीवन आ जीवनक उद्देश्य आ विधेय बदलि जाइत अछि .... । 10

Q6. (a) "लोरिक विजय"क कथावस्तु अति-रोचक होइतहुँ एहिमे अतिशयोक्तिक अभिव्यंजना कएल गेल अछि' — एहि कथन पर विचार करू । 20

(b) उपन्यासकार ललित "पृथ्वीपुत्र"मे मानव स्वभावक नैसर्गिक प्रवृत्ति ओ भावनाकेँ जे प्रधानता देल अछि से हुनक स्वस्थ दृष्टिकोणक द्योतक थिक — समीक्षा करू । 15

(c) "खट्टर काकाक तरंग" मे वर्णित विषय विचारात्मक, सरस, मनोरंजक एवं व्यंग्यक अत्यन्त स्पष्ट रूप परिलक्षित होइछ — स्पष्ट करू । 15

Q7. (a) "वर्णरत्नाकर" मे ज्योतिरीश्वर सर्वत्र प्रतीयमान चित्त देल अछि, त' कतौ-कतौ सम्भाव्य सेहो अछि, जाहि सँ वर्णनक आदर्श चित्रण प्रस्तुत भेल अछि — पठित अंशक आधार पर प्रमाणित करू । 20

(b) 'मधुरमनि' कथामे किरणजी श्रमजीवी वर्गक दाम्पत्य जीवनक अनुरागक हिलसगर कथा कहने छथि' — सिद्ध करू । 15

(c) मिथिलांचलक मध्यमवर्गक अभिजात्य छद्मक विद्रूप राजकमलक कथाक मूलतत्त्व कहल जा सकैत अछि — विवेचन करू । 15

Q8. (a) ललितक "पृथ्वीपुत्र" नवीन शिल्पक एक एहन उपन्यास अछि जाहिमे स्वातन्त्र्योत्तर ग्रामीण समाजक परिवर्तनशील परिवेशक संघर्षशील कृषक-मजूरक निम्नवित्तीय स्थितिक कलात्मक चित्रण कएल गेल अछि — स्पष्ट करू । *20*

(b) 'झगड़ा' संयोगाश्रित घटना प्रधान कथा अछि जकर उद्देश्य करुणा उत्पन्न करब थिक – एहिमे लेखककेँ प्रर्याप्त सफलता भेटल छनि — प्रमाणित करू । *15*

(c) "भफाइत चाहक जिनगी"क नाटककार शिक्षित बेरोजगार युवकक माध्यमे समाजमे व्याप्त जीवनक समस्या एवं संघर्षक चित्रणक संग परिस्थितिक अनुसार अपनाकेँ अनुकूल बना सकए तकर बुद्धिवादी सामंजस्य प्रस्तुत कएलनि अछि — एहि तथ्यक मूल्यांकन करू । *15*



UPSC MAINS

Union Public Service Commission

Download UPSC IAS Mains 2019 Optional Exam Paper

"Literature Subjects – Maithili (Paper - 1)"

मैथिली

प्रश्न-पत्र–I

(साहित्य)

समय : तीन घंटा

पूर्णाङ्क : 250

प्रश्न-पत्र विषयक विशेष निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबाक पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लियऽ

एतय दू खण्ड (Section)मे विभक्त कुल **आठ** प्रश्न अछि।

अभ्यर्थी कुल **पाँच** प्रश्नक उत्तर देथि।

प्रश्न संख्या **1** तथा प्रश्न संख्या **5** अनिवार्य अछि। शेष प्रश्नमेसँ **तीन** प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड (Section)सँ कम-सँ-कम **एक** प्रश्नक चयन आवश्यक अछि।

प्रश्न/खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि।

उत्तर **मैथिलीमे** लिखब अनिवार्य अछि।

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत। यदि काटल नहि गेल हो, तँ अंशतः लिखित उत्तरोकेँ गणना कयल जायत। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकेँ अवश्य काटि दी।

MAITHILI

PAPER—I

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION—A

1. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग 150 शब्द धरि) : 10×5=50

   (a) मैथिली भाषाक महत्त्व ओ वैशिष्ट्य

   (b) पाणिनि ओ मैथिली व्याकरण

   (c) प्राकृतक भेद ओ अपभ्रंशक विशेषता

   (d) दीनबन्धु झाक व्याकरणक उपादेयता

   (e) मैथिली भाषाक उद्‌गम पर प्रकाश

2. (a) भारतीय आर्यभाषाक विकासक्रमसँ परिचय कराउ। 20

   (b) मध्यकालीन आर्यभाषाक विशेषताक विवेचन ओ विश्लेषण करू। 15

   (c) नवीन भारतीय आर्यभाषा-मध्य मैथिलीक स्थान निरूपित करू। 15

3. (a) भाषा-विज्ञानक आकृतिमूलक वर्गीकरण करैत ओकर उपयोगिता सिद्ध करू। 20

   (b) मैथिली भाषाक विकासमे अवहट्ठक महत्त्वक मूल्यांकन करू। 15

   (c) तिरहुता लिपिक विकासक्रमक ऐतिहासिक विवरण ओ साहित्यिक महत्त्वक विश्लेषण करू। 15

4. (a) भाषा एवं बोलीमे अन्तर स्पष्ट करैत बोलीकेँ भाषा बनबाक कारणक उल्लेख करू। 20

   (b) पूर्वाञ्चलीय भाषा साहित्यमे मैथिली, बंगला ओ असमियाक साम्य ओ वैषम्यक विश्लेषण करू। 15

   (c) मैथिलीक विभिन्न बोलीसँ परिचय कराउ। 15

SECTION—B

5. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग 150 शब्द धरि) : 10×5=50

   (a) मैथिलीमे सिद्धसाहित्यक महत्त्व

   (b) ज्योतिरीश्वरक काल निर्धारण

   (c) मैथिली लोकगीत ओ लोकगाथा

   (d) मैथिली साहित्यक विकासमे 'मिथिला मिहिर'क योगदान

   (e) महाकवि विद्यापतिक लोकप्रियताक कारण

6. *(a)* मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमिमे मिथिलाक सामाजिक ओ सांस्कृतिक जीवनसँ परिचय कराउ। 20

(b) कवीश्वर चन्दा झा ओ लालदासक रामायणक तुलनात्मक विवेचन करू। 15

(c) "'दत्तवती' महाकाव्य थिक"—सोदाहरण प्रमाणित करू। 15

7. *(a)* मैथिली साहित्यक काल-विभाजनक प्रसंग विभिन्न विद्वानक मतक समीक्षा करू। 20

(b) मिथिलाक मध्यकालीन नाटकक वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ। 15

(c) मैथिलीक यात्रा साहित्यक स्थिति पर विचार करैत सुभद्र झाक योगदानक महत्त्व पर प्रकाश दिअ। 15

8. *(a)* नारी जागरणक पृष्ठभूमिमे रचित किछु प्रमुख मैथिली उपन्याससँ परिचय कराउ। 20

(b) आधुनिक मैथिलीक काव्यधाराक प्रमुख प्रवृत्तिसँ परिचय कराउ। 15

(c) मैथिली बाल-साहित्यक भूत-वर्तमान ओ भविष्यक प्रसंग पर तथ्यात्मक विचार प्रकट करू। 15

★★★

Dhyeya IAS Now on Telegram



Join Dhyeya IAS Telegram Channel from link the given below

https://t.me/dhyeya_ias_study_material

नोट : पहले अपने फ़ोन में टेलीग्राम App Play Store से Install कर ले उसके बाद लिंक में क्लिक करें जिससे सीधे आप हमारे चैनल में पहुँच जायेंगे।

You can also join Telegram Channel through our website

www.dhyeyaias.com

www.dhyeyaias.in



Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter
(ध्येय IAS ई-मेल न्यूजलेटर सब्स्क्राइब करें)

जो विद्यार्थी ध्येय IAS के व्हाट्सएप ग्रुप (Whatsapp Group) से जुड़े हुये हैं और उनको दैनिक अध्ययन सामग्री प्राप्त होने में समस्या हो रही है | तो आप हमारेईमेल लिंक Subscribe कर ले इससे आपको प्रतिदिन अध्ययन सामग्री का लिंक मेल में प्राप्त होता रहेगा | **ईमेल से Subscribe करने के बाद मेल में प्राप्त लिंक को क्लिक करके पुष्टि (Verify) जरूर करें अन्यथा आपको प्रतिदिन मेल में अध्ययन सामग्री प्राप्त नहीं होगी |**

नोट (Note): अगर आपको हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में अध्ययन सामग्री प्राप्त करनी है, तो आपको दोनों में अपनी ईमेल से Subscribe करना पड़ेगा | आप दोनों माध्यम के लिए एक ही ईमेल से जुड़ सकते हैं |

ध्येयIAS®
most trusted since 2003

Join Dhyeya IAS Whatsapp Group by Sending "Hi Dhyeya IAS" Message on 9205336039.

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter

Step by Step guidance for Subscription:

- **1st Step:** Fill Your Email address in form below. you will get a confirmation email within 2 min.
- **2nd Step:** Verify your email by clicking on the link in the email. (Check Inbox and Spam folders)
- **3rd Step:** Done! you will receive alerts & Daily Free Study Material regularly on your email.

Enter email address

Subscribe



Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400



UPSC MAINS

Union Public Service Commission

Download UPSC IAS Mains 2019 Optional Exam Paper

"Literature Subjects – Maithili (Paper - 2)"

CS (Main) Exam,2019

SDF-B-MTLI

मैथिली / MAITHILI

पेपर II / Paper II

साहित्य / LITERATURE

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र स्पष्ट निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबासँ पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लिअ :

*एतय दू **खण्ड (SECTION)** मे विभक्त कुल **आठ** प्रश्न अछि ।*

*अभ्यर्थी कुल **पाँच** प्रश्नक उत्तर देथि ।*

*प्रश्न संख्या **1** तथा प्रश्न संख्या **5** अनिवार्य अछि । शेष प्रश्नमेसँ कोनो **तीन** प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड **(SECTION)** सँ कमसँ कम **एक** प्रश्नक चयन आवश्यक अछि ।*

प्रश्न / खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि ।

*उत्तर **मैथिली** (देवनागरी लिपि) मे लिखब अनिवार्य अछि ।*

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि ।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत । यदि काटल नहि गेल हो तँ अंशतः लिखित उत्तरक गणना सेहो कयल जायत । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकेँ अवश्य काटि दी ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

*Answers must be written in **MAITHILI** (Devanagari script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. **प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य अछि । काव्य-वैशिष्ट्यकें निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य)** *10×5=50*

(a) आधक आध आध दिठि-अँचल जब धरि पेखल कान ।
कत सत कोटि कुसुम-सरे जरजर रहत कि जाएत परान ।। *10*

(b) कवरी भये चामरी गिरि कन्दरे
मुख भये चान्द अकासे ।
हरिनि नयन भये स्वर भये कोकिल
गति-भये गज वनवासे । *10*

(c) जाहि बेर जन्म महाप्रभु भेल
तखन अन्धार एहन गोट भेल
सुइ लय बेधिअ गाँथिअ ताग
हाथ छुबिअ तओं हाथहिँ लाग । *10*

(d) अन्न ने छै, कैंचा ने छै, कौड़ी ने छै,
गरीबक नेना कोना पढ़तैक रे ?
उठह कवि, तोँ दहक ललकारा कने,
गिरि-शिखर पर पथिक-दल चढ़तैक रे । *10*

(e) हा रघुनाथ ! अनाथ जकाँ, दशकण्ठ-पुरी हम आइलि छी
सिंहक त्रास महावनमे हरिणीक समान डराइलि छी ।।
चन्द्र-चकोरि अहँक सदा, हम शोक समुद्र समाइलि छी
देवर-दोष कहू हम की, अपना अपराधसँ काइलि छी ।। *10*

Q2. (a) 'दत्त-वत्ती' महाकाव्यमे भारतीय सामाजिक चिन्तन, राष्ट्रीय चेतना ओ सांस्कृतिक गरिमाक चित्रण भेल अछि – स्पष्ट करू । *20*

(b) 'समकालीन मैथिली कविता' मे कविलोकनिक नव्यतम काव्य-चेतना प्रस्फुटित भेल अछि – विवेचन करू । *15*

(c) 'कीचक-बध' मे संस्कृतक परम्परासँ भिन्न आधुनिक प्रणालीक अनुसरण कएल गेल अछि – मूल्यांकन करू । *15*

Q3. (a) 'यात्री' जीक 'चित्रा' मे यथार्थवादी शैली, ग्राम्य-भाषा ओ मुक्त-वृत्तक प्रयोग भेल अछि – स्पष्ट करू । *20*

(b) विद्यापतिक गीत सभमे शृंगारक उभय पक्ष – संयोग एवं वियोगक चित्र प्रस्तुत भेल अछि – 'विद्यापति गीतशती'क पठित अंशक आधार पर विवेचन करू । *15*

(c) 'गोविन्ददास भजनावली'क पठित अंशक आधार पर प्रमाणित करू जे विद्यापतिक पश्चात् गोविन्ददासक मैथिली साहित्यमे सर्वोपरि स्थान अछि । *15*

Q4. (a) 'मिथिलाभाषा रामायण'क सुन्दरकाण्डमे सीताक अन्तर्द्वन्द्वक स्वाभाविक चित्रण भेल अछि – विवेचन करू । *20*

(b) मैथिली साहित्यमे 'कृष्णजन्म'क ऐतिहासिक महत्त्व अछि – सयुक्ति विवेचन करू । *15*

(c) 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण'क पठित अंशक आधार पर लालदासक काव्य वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ । *15*

SECTION B

Q5. **निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य)** *10×5=50*

(a) मैथिल चाह तँ ने पिबैए, मीठ पिबैए । कतबो चाहमे चीनी देने रहबै .... ऊपर सँ एक वा दू चम्मच आर चाही । एहनमे लोक बिकाइये जायत । केहन महगी छै आ चीनी कोना भेटै छै से बुझिते छिए ! *10*

(b) असलमे धरती जोतनिहारक थिक । हरबाहक थिक जे धरतीक असल बेटा थिक । जे अपन पसेनासँ धरती-माता कें पूजै अछि । कय दिन देखलहक अछि मालिककें अपन पसेनासँ धरती-माताक पूजा करैत ? *10*

(c) अहाँक लिखल चारि पाँती चारि सय बेर पढ़लहुँ । तथापि तृप्ति नहि भेल । आचार्यक परीक्षा समीप अछि । किन्तु ग्रन्थमे कनेको चित्त नहि लगैत अछि । सदिखन अहींक मोहिनी मूर्ति आँखिमे नचैत रहै अछि । *10*

(d) ...... जैह भेद रसगुल्ला ओ लड्डूमे छैक । रसगुल्ला सरस ओ कोमल होइछ, लड्डू शुष्क ओ कठोर । रसगुल्ला पूर्वक प्रतीक थीक लड्डू पश्चिमक । तैं हम कहैत छिऔह जे ककरो जातीय चरित्र बुझबाक हो त' ओकर प्रधान मधुर देखी । *10*

(e) पूर्णिमा चान्द अमृत पूरल अइसन मुह । श्वेत पङ्कजकाँ दल भ्रमर वयिसल अइसन आँषि, काजरक कल्लोल अइसन भजुह । *10*

Q6. (a) 'खट्टर ककाक तरंग' मे तरंगित जतेक उत्कृष्ट हास्य बूझि पड़ैत अछि ताहिसँ बेसी मिश्रण अछि व्यंग्यक – सयुक्ति विवेचन करू । *20*

(b) 'वर्णरत्नाकर'क द्वितीय कल्लोलमे वर्णित विषय-वस्तु एवं ओकर महत्त्वकें स्पष्ट करू । *15*

(c) 'पृथ्वीपुत्र' एक सामाजिक उपन्यास थिक जाहिमे जीवनक ओ चित्र उतरल अछि जे सत्य पर आधारित अछि – समीक्षा करू । *15*

Q7. (a) 'लोरिक-विजय' उपन्यास अपराजेय पौरुषक लोककथा थिक, संगहि आध्यात्मिक जीवन-दर्शन, शैव, बौद्ध, तन्त्र, इत्यादि सांस्कृतिक कथाक समावेश कएल गेल अछि – समीक्षा करू । *20*

(b) 'भफाइत चाहक जिनगी' आदर्शवादी शिक्षित बेरोजगार नवयुवकक संघर्षपूर्ण जीवनगाथा अछि – स्पष्ट करू । *15*

(c) मैथिली कथा साहित्यक विकासमे 'कृति राजकमल'क योगदान स्पष्ट करू । *15*

Q8. (a) मैथिली कथा साहित्यमे 'मणिपद्म'क 'बालगोविन' कथाक विशिष्ट स्थान प्राप्त छैक – स्पष्ट करू । *20*

(b) 'लोरिक-विजय' मे मिथिलाक माटि-पानि आ संस्कारक सम्पूर्ण सौन्दर्य ओ सौरभ उद्भाषित भए उठल अछि – एहि उक्तिक समीक्षा करैत 'लोरिक-विजय'क औपन्यासिक वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ । *15*

(c) राजकमलक कथा ने हुनक चारित्रिक विशेषता कोनहु ने कोनहु रूप मे अवश्य भेटत – एहि कथन पर विचार करू । *15*

Dhyeya IAS Now on Telegram



We're Now on Telegram

Join Dhyeya IAS Telegram

Channel from the link given below

"https://t.me/dhyeya_ias_study_material"

You can also join Telegram Channel through

Search on Telegram

"Dhyeya IAS Study Material"

Join Dhyeya IAS Telegram Channel from link the given below

https://t.me/dhyeya_ias_study_material

नोट : पहले अपने फ़ोन में टेलीग्राम App Play Store से Install कर ले उसके बाद लिंक में क्लिक करें जिससे सीधे आप हमारे चैनल में पहुँच जायेंगे।

You can also join Telegram Channel through our website

www.dhyeyaias.com

www.dhyeyaias.in



Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter
(ध्येय IAS ई-मेल न्यूजलेटर सब्स्क्राइब करें)

जो विद्यार्थी ध्येय IAS के व्हाट्सएप ग्रुप (Whatsapp Group) से जुड़े हुये हैं और उनको दैनिक अध्ययन सामग्री प्राप्त होने में समस्या हो रही है | तो आप हमारेईमेल लिंक Subscribe कर ले इससे आपको प्रतिदिन अध्ययन सामग्री का लिंक मेल में प्राप्त होता रहेगा | **ईमेल से Subscribe करने के बाद मेल में प्राप्त लिंक को क्लिक करके पुष्टि (Verify) जरूर करें अन्यथा आपको प्रतिदिन मेल में अध्ययन सामग्री प्राप्त नहीं होगी |**

नोट (Note): अगर आपको हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में अध्ययन सामग्री प्राप्त करनी है, तो आपको दोनों में अपनी ईमेल से Subscribe करना पड़ेगा | आप दोनों माध्यम के लिए एक ही ईमेल से जुड़ सकते हैं |

ध्येयIAS®
most trusted since 2003

Join Dhyeya IAS Whatsapp Group by Sending "Hi Dhyeya IAS" Message on 9205336039.

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter

Step by Step guidance for Subscription:

- **1st Step:** Fill Your Email address in form below. you will get a confirmation email within 2 min.
- **2nd Step:** Verify your email by clicking on the link in the email. (Check Inbox and Spam folders)
- **3rd Step:** Done! you will receive alerts & Daily Free Study Material regularly on your email.

Enter email address

Subscribe



Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400